हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, सोमवार 8 जून 2026

तापमान
अधिकतम 38 .5 डिग्री
न्यूनतम 26 .8 डिग्री

10 मौसम का मिजाज हुआ गर्म तापमान पहुंचा 41 डिग्री

10 एमडीएन ग्लोबल स्कूल में हुआ सीबीएसई क्षमता निर्माण कार्यक्रम

खबर संक्षेप

संदिग्ध हालात में युवती लापता, मामला दर्ज

जींद। गांव खरैंटी से युवती के संदिग्ध हालात में गायब होने पर जुलाना थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव खरैंटी निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत चार जून का उसकी बेटी घर से गायब हो गई। तलाशने तथा पूछताछ करने पर उसकी बेटी का कोई सुराग नही लगा।

दो दिवसीय स्मृति संस्कृति महोत्सव आज से

जींद। हरियाणा कला परिषद एवं सरस्वती कला मंच के संयुक्त तत्वावधान में जींद की चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय के डा. हरिचंद मिड्ढा सभागार में 8 और नौ जून तक दो दिवसीय स्मृति संस्कृति महोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें हरियाणा कला परिषद के कलाकार लोक नृत्य व लोक गायन की प्रस्तुतियां देंगे।

गैस पाइपलाइन से छेड़छाड़ का मामला दर्ज

कैथल। गांव नरड़ के पास इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की गैस पाइपलाइन से छेड़छाड़ के मामले में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया है। तितरम थाना पुलिस को दी शिकायत में कंपनी के अधिकारी दीपक बेदिया ने बताया कि 29 मई 2026 को गांव नरड़ क्षेत्र में इंडियन ऑयल की गैस पाइपलाइन के साथ अज्ञात लोगों ने छेड़छाड़ की गई। मामले की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी।

आठ करोड़ 23 लाख रुपये की लागत से होगा धुंधरेहड़ी माइनर का पुनर्निर्माण

- पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष मुनीष कठवाड़ की मांग पर मिली स्वीकृति
- ग्रामीणों ने मुनीष कठवाड़ के आवास पहुंचकर जताया मुख्यमंत्री का आभार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। भाजपा नेता मुनीष कठवाड़ का आभार जताते ग्रामीण

धुंधरेहड़ी माइनर के पुनर्निर्माण को मंजूरी मिलने पर शनिवार को क्षेत्र के ग्रामीणों ने पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष मुनीष कठवाड़ के आवास पर पहुंचकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार जताया। ग्रामीणों ने कहा कि लंबे समय से क्षेत्र के किसान माइनर की खस्ताहाल स्थिति के कारण सिंचाई संबंधी परेशानियां झेल रहे थे, लेकिन अब पुनर्निर्माण होने से किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। किसानों ने कहा कि पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष मुनीष कठवाड़ के समक्ष मांग रखी थी। इसके बाद उन्होंने प्रक्रिया को आगे बढ़ाया।

धुंधरेहड़ी माइनर बनेगी नई, किसानों को मिलेगी राहत

पूर्व जिलाध्यक्ष मुनीष कठवाड़ ने बताया कि धुंधरेहड़ी माइनर करीब 2-3 वर्षों से खराब हालत में थी। जगह-जगह टूट-फूट और रिसाव होने के कारण पानी का प्रवाह प्रभावित हो रहा था। इससे दीवाल, धुंधरेहड़ी, कुतुबपुर, गुहणा, चंदाना, रोहेड़िया और ब्राह्मणीवाला सहित आसपास गांवों के किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी नहीं मिल पा रहा था। किसानों की ओर से लगातार इस समस्या को उठाया जा रहा था। मुनीष कठवाड़ ने बताया कि किसानों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए सिंचाई विभाग के अधीक्षक अभियंता नीरज शर्मा के साथ चर्चा कर माइनर के पुनर्निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया गया। इसके बाद प्रस्ताव मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के समक्ष रखा गया। मुख्यमंत्री ने किसानों के हितों को प्राथमिकता देते हुए धुंधरेहड़ी माइनर के पुनर्निर्माण के लिए करीब आठ करोड़ 23 लाख रुपये की परियोजना को मंजूरी प्रदान कर दी। उन्होंने बताया कि परियोजना को प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के बाद अब टेंडर प्रक्रिया होगी। प्रक्रिया पूरी होते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। माइनर के पुनर्निर्माण से क्षेत्र की सिंचाई व्यवस्था मजबूत होगी और किसानों को समय पर पर्याप्त पानी उपलब्ध हो सकेगा।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर भाजपा जिला महामंत्री सुरेश संधू कुतुबपुर , मोहन सरपंच दीवाल, दर्शन राठी दीवाल , राकेश गोयत धुंधरेहड़ी, रामेश्वर धुंधरेहड़ी,फूल कुमार कुत्तबपुर, अशोक गोयत धुंधरेहड़ी, कृष्ण राठी, विनोद ,टिंकू ,नरेश , नसीब सिंह ,डॉ बसंत, पप्पी कुतबपुर , तरसेम ,गुरमेल,दल्लो कुतुबपुर , संजू , कौशल , सतनाम व विक्रम सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

अंडरपास और सर्विस लेन पर पर्याप्त प्रकाश, सीसीटीवी व्यवस्था की मांग

चार साल बाद बने भिवानी रोड अंडरपास में सुविधाओं का अभाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष डा. राजकुमार गोयल ने आरोप लगाया है कि करीब चार वर्ष के लंबे इंतजार के बाद तो भिवानी रोड अंडरपास का निर्माण कार्य पूरा हुआ लेकिन निर्माण पूरा होने के दो महीने बाद भी आज भी विभिन्न मूलभूत सुविधाओं का अभाव है जिसके चलते राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आखिर शासन और प्रशासन कर क्या रहा है। शासन और प्रशासन जवाब दे कि एक छोटे से अंडरपास में इतनी लेट लतीफी क्यों। राजकुमार गोयल ने प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि अंडरपास में अभी तक उचित सफाई व्यवस्था नहीं की गई है जिससे लोगों को आवागमन में दिक्कत होती है। इसके अलावा प्रकाश व्यवस्था भी अधूरी है। यहां लाइटें तो लगी हैं लेकिन वे अभी तक चालू नहीं की गई हैं, जिससे रात के समय अंधेरा बना रहता है। गोयल ने कहा कि अंडरपास में सीसीटीवी कैमरों की भी कोई व्यवस्था नहीं है। वहीं अंडरपास के साथ लगती सर्विस लेन पर भी स्ट्रीट लाइटों का प्रबंध नहीं किया गया है। जिसके कारण शाम और रात के समय लोगों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ता है।

जींद। भिवानी रोडद्ध रू वाहन चालक दिन में भी वाहनो की लाइट लगाने को मजबूर, भिवानी रोड सर्विस लाइन पर लाइटों का अभाव।

अंडरपासए लेकिन सुविधाएं अब भी अधूरी

भिवानी रोड रेलवे अंडरपास के निर्माण में हुई करीब चार साल की देरी को लेकर पहले भी अग्रवाल समाज के अध्यक्ष राजकुमार गोयल ने जिला प्रशासन के समक्ष आवाज उठाई थी। अंडरपास का निर्माण हुआ पूरा लेकिन सफाई, सीसीटीवी कैमरे, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था और सर्विस लेन पर स्ट्रीट लाइट जैसी मूलभूत सुविधाएं अब भी अधूरी हैं। अंडरपास में जमा धूल और रेत के कारण दिनभर गुबार उड़ते रहते हैं, जिससे राहगीरों को परेशानी होती है। राजकुमार गोयल ने मांग में कहा की जल्द ही कमियों को करें दूर।

देरी से हजारों लोग रहे प्रभावित

भिवानी रोड रेलवे अंडरपास के निर्माण में हुई चार साल की देरी के कारण क्षेत्र की दर्जनों कॉलोनियों के हजारों लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। लोगों को शहर आने-जाने के लिए लंबा चक्कर लगाना पड़ा। अंडरपास का निर्माण पूरा हो चुका है लेकिन सफाई, सीसीटीवी कैमरे, प्रकाश व्यवस्था तथा सर्विस लेन पर स्ट्रीट लाइट जैसी आवश्यक सुविधाएं अभी भी अधूरी हैं।

निर्माण के महज दो सप्ताह बाद ही उखड़ने लगी सड़क

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

कैथल। गांव कैलरम के पास नई बनी सड़क टूटी।

मटौर गांव से होकर चौशाला, वजीर नगर और कैलरम को जोड़ने वाली तथा आगे राष्ट्रीय राजमार्ग-152 से मिलने वाली नई सड़क निर्माण के महज दो सप्ताह बाद ही उखड़ने लगी है। सड़क के कई हिस्सों में दरारें दिखाई देने लगी हैं, जबकि किनारों से बजरी निकलने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। ऐसे में ग्रामीणों ने सड़क निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि हाल ही में तैयार हुई इस सड़क पर अभी से टूट-फूट शुरू हो जाना निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न लगाता है। सड़क पर कई स्थानों पर ऊपरी परत उखड़ती नजर आ रही है, जिससे भविष्य में इसके और अधिक क्षतिग्रस्त होने की आशंका बढ़ गई है।

कैलरम निवासी जगदीप ने बताया कि सड़क जिस गति से अभी से टूटने लगी है, उसे देखकर यह कहना मुश्किल है कि यह कितने समय तक टिक पाएगी। उन्होंने कहा कि यदि सड़क की यही स्थिति रही तो कुछ ही महीनों में इसकी हालत पहले से भी खराब हो सकती है। उनके अनुसार पुरानी सड़क की स्थिति भी इससे बेहतर थी।

सामग्री की हो जांच

ग्रामीण सुभाष ने कहा कि इस मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों वाहन गुजरते हैं। आसपास के गांवों के लोग अपने दैनिक कार्यों, शिक्षा, व्यापार और अन्य जरूरी कामों के लिए इसी सड़क का उपयोग करते हैं। ऐसे में सड़क का निर्माण मजबूत और टिकाऊ होना चाहिए था ताकि यह कई वर्षों तक बिना किसी परेशानी के लोगों की सेवा कर सके। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से सड़क निर्माण कार्य की जांच कराने और निर्माण में उपयोग की गई सामग्री की गुणवत्ता की पड़ताल करने की मांग की है।

राजौंद में बंदरों का आतंकः छत पर कपड़े सुखा रही महिला पर हमला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

शहर के वार्ड नंबर 13 में बंदरों के काटने से महिला छत से गिरकर हुई घायल। परिजनों ने बताया कि महिला संगीता छत पर कपड़े सुखा रही थी, तभी अचानक बंदरों ने उस पर हमला कर दिया। हमले के दौरान एक बंदर ने महिला के बाजू पर काट लिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। घबराहट में महिला छत से गिर गई।

घायल महिला को तुरंत राजौंद के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत को देखते हुए कैथल रेफर कर दिया गया।

शहर में बंदरों का आतंक दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। स्थानीय निवासी बंदरों से काफी परेशान हैं। हालांकि प्रशासन द्वारा बंदर पकड़ने के दावे किए जा रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद शहर के अलग-अलग वार्डों और बस्तियों में बंदरों को खुलेआम हुड़दंग मचाते देखा जा सकता है। लोगों ने प्रशासन से इस समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है।

राजौंद। घायल महिला का उपचार करवाने स्वास्थ्य केंद्र में पहुंचे परिजन।

संदिग्ध हालात में नेपाली नौकर ने फांसी लगा दी जान

- पत्नी ने मृतक को बताया शराब की आदत से परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

गांव भूरायण रेलवे लाइन के निकट हैचरी में बीती रात संदिग्ध हालात के चलते एक नेपाली मजदूर ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने मृतक को मानसिक रूप से परेशान बताया है। पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गांव कंचन जिला किलाली (नेपाल) निवासी आकाश (28) गांव भूरायण रेलवे लाइन के निकट हैचरी में मजदूरी करता था। हैचरी में बने क्वार्टर में पत्नि के साथ रहता था। आकाश ने बीती रात अपने कमरे में संदिग्ध हालात मे फांसी का फंदा लगा लिया। घटना का उस समय पता चला जब उसकी पत्नी सुशीला की आंखे खुली। शोर मचाए जाने पर आसपास के मजदूर मौके पर पहुंच गए और घटना की सूचना पुलिस को दी। मृतक के पत्नि सुशीला ने पुलिस को दिए ब्यान मे बताया कि उसका पति शराब पीने के आदी थी। बीती रात भी वह शराब पीकर आया था। शराब की लत के कारण वह परेशान हो चुका था। उसी परेशानी के चलते उसके पति ने फांसी का फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली। पिल्लूखेड़ा थाना पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम करा परिजनो को सौंप दिया।

नागरिक अस्पताल नई बिल्डिंग में बनाया सेल्फी पॉइंट

लिंगानुपात में सुधार तथा बेटा व बेटी में फर्क मिटाने को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने कसी कमर

- सेल्फी प्वायंट पर मेरी बेटी-मेरा अभियान, बेटी बचाओ, बेटी पढाओ, बेटी बचाना है, देश को बढ़ाना है स्लोगन लिखवाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

लिंगानुपात में सुधार तथा बेटा व बेटी में फर्क मिटाने को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में सेल्फी पॉइंट बनाया है। इस सेल्फी पॉइंट पर मेरी बेटी मेरा अभियान, बेटी बचाओ, बेटी पढाओ, बेटी बचाना है, देश को बढ़ाना है जैसे प्रेरित करते हुए स्लोगन लिखे हुए हैं। इस सेल्फी पॉइंट को नागरिक अस्पताल की नई बिल्डिंग में महिला विंग के पास बनाया गया है ताकि यहां आने वाली महिलाएं व उनके साथ आने वाले परिजन जागरूक हो सकें। इसके अलावा स्वासथ्य विभाग ने महिला विंग की दीवारों पर बेटी की महत्ता को लेकर जागरूकता पेंटिंग भी बनवाई है। पीएमओ डॉ. रघुवीर पूनिया ने भी इस सेल्फी पॉइंट पर सेल्फी ली और सभी को प्रेरित किया।

- प्रदेश का औसतन लिंगानुपात 898, जींद जिले का रहा 872

जींद। सेल्फी प्वायंट पर सेल्फी लेते हुए पीएमओ डा. रघुवीर पूनिया।

जींद के 35 गांव ऐसे जिनका 500 से भी कम लिंगानुपात

स्वास्थ्य विभाग के आंकडों के अनुसार जिले के 35 गांव ऐसे हैं, जिनका लिंगानुपात 500 से भी कम है। इससे साफ है कि इन गांवों में लड़कियों के मुकाबले जन्म लेने वाले लड़कों की संख्या दोगुने से भी ज्यादा रही। इनमें बागडू खुर्द गांव में नौ लड़कों पर एक लड़की ने जन्म लिया। ईंटल खुर्द में सात पर एक, कर्मगढ़ में चार पर एक, पालवां व सिवाहा में 11 लड़कों पर तीन लड़कियों ने जन्म लिया है। ऐसे में 35 गांव हैं, जहां पर लड़कों की संख्या लड़कियों के दोगुने से भी ज्यादा रही है।

वर्ष 2022 के बाद से अब तक जिला लिंगानुपात में नही हो सका प्रथम

लिंगानुपात के मामले में जींद जिला 2022 से लेकर 2023 तक पूरे प्रदेश में पहले स्थान पर रहा था। 2023 में जिले का लिंगानुपात 986 था, जो हरियाणा के 916 औसतन अनुपात से बहुत ज्यादा था। इसके बाद जिले में लिंगानुपात कम होता गया। अप्रैल 2026 में जिले का लिंगानुपात कम होकर 872 तक आ गया। चार साल बीत जाने के बाद भी जिला प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल नही कर सका है। ऐसे में स्वास्थ्य विभाग ने कमर कस ली है। जिले के सभी ऐसे लोगों जो विवाह करवाते हैं, उनको पत्र लिखकर वर.वधु को कन्या भ्रूण हत्या रोकने व लिंग जांच नहीं करवाने की शपथ दिलाने को कहा है। इसके अलावा सभी सरपंचों को भी गांव में नजर बनाए रखने व सभी गर्भवती महिलाओं का रिकार्ड रखने के निर्देश दिए हैं। वहीं स्वास्थ्य विभाग ने जिले के 147 गांवों का लिंगानुपात 900 से कम आने पर सरपंचों समेत उन प्राथमिक व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारियों को नोटिस जारी किए हैं। जिनके अंतर्गत यह गांव आते हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों से इस बारे में जवाब मांगा गया है। नागरिक अस्पताल के डिप्टी सीएमओ डा. पालेराम कटारिया ने बताया कि पीएनडीटी एक्ट के तहत पर समय-समय पर सूचनाएं एकत्रित की जाती हैं। ग्राम पंचायतों व खाप पंचायतों से भी सहयोग लिया जा रहा है। अप्रैल 2026 में जिले के लिंगानुपात में सुधार को लेकर भरसक कदम लगातार उठाए जा रहे हैं।

नई बिल्डिंग में बनवाया सेल्फी प्वायंट

प्रधान चिकित्सा अधिकारी डा. रघुवीर पूनिया ने बताया कि अस्पताल की नई बिल्डिंग परिसर में बेटियों की महत्ता को लेकर एक सेल्फी पॉइंट बनाया गया है। कोई भी इस सेल्फी पॉइंट पर पिक ले सकता है। स्वास्थ्य विभाग लगातार बेटियों की महत्ता को लेकर जागरूक करने का प्रयास कर रहा है।

P.M.C.R.I KURUKSHETRA

PINNACLE MEDICAL CENTRE & RESEARCH INSTITUTE

(Proposed Medical College & Hospital)
9th Milestone, Kaithal Road, Barna, Kurukshetra (Haryana)

APPLICATIONS INVITED

Applications are invited from eligible and experienced candidates for the following positions in the Proposed Medical College & Hospital

LEADERSHIP POSITIONS

Director	Medical Superintendent	Administrator / COO

Professor / Associate Professor / Assistant Professor / Tutor in the following departments:

PRE CLINICAL	PARA CLINICAL	
Anatomy	Pathology	Forensic Medicine
Physiology	Pharmacology	Community Medicine
Biochemistry	Microbiology	

Professor / Associate Professor / Assistant Professor / Senior Resident / Junior Resident in Clinical Departments

General Medicine	Pediatrics	Otorhinolaryngology (ENT)
General Surgery	Ophthalmology	Anesthesiology
Orthopedics	Radiology	Psychiatry
Obstetrics and Gynaecology	Dermatology	Dentistry

ADMINISTRATION, NURSING & CLINICAL STAFF

Hospital Administrator (MHA)	Anesthesia Technician
Nursing Superintendent	Radiology / X-Ray Technician
Nursing Matron	Operation Theatre (OT) Technician
Hospital Manager	Medical Laboratory Technician (MLT)
Front Office Executive	Optometry Technician
TPA & Ayushman Executive	General Duty Assistant (GDA)
Billing Executive / Assistant	Ward Boy
Nursing Staff (GNM / B.Sc. Nursing)	Blood Bank Technician

IT SUPPORT & MAINTENANCE STAFF

IT Manager	Estate Officer	AC Technician
System Engineer	Hospital Supervisor	Electrician
Website Web Developer	Office Clerk	Plumber
Graphics Designer	Computer Operator	Carpenter
Computer Lab Technician	Security Guard (Male/Female)	Painter
Computer Hardware and Networking	Aaya / Housekeeping Staff (Male/Female)	Welder
ERP Coordinator / Lab Attendant	Bus Driver	Gardener (Mali)

Interested candidate may send their detailed CV along with relevant documents to : Email: hr@pmcri.in

Job Location : Kurukshetra (Haryana)

M : 9996783003 Website : www.pmcri.in

हरियाणवी पहनावा

हरियाणा का पारंपरिक पहनावा पुरुषों के लिए धोती, कुर्ता और पगड़ी, और महिलाओं के लिए घाघरा, चोली और चुंदड़ी है, जो राज्य की सांस्कृतिक पहचान को दर्शाते है। हालांकि शहरी महिलाओं और पुरुषों में अब यह पहनावा कम ही देखने को मिलता है। युवाओं में तो आधुनिक वेशभूषा का ही क्रेज है। स्कूल व कॉलेजों के सांस्कृतिक समारोहों में जरूर यह पारंपरिक पहनावा देखने को मिल जाता है।

सांस्कृतिक संवाहक है हरियाणा की धरती

सिंधु-सरस्वती सभ्यता का यह सबसे बड़ा केंद्र सिद्ध करता है कि आज से हजारों वर्ष पूर्व भी हरियाणा की भूमि पर एक अत्यंत विकसित, सुसंस्कृत और शांतिप्रिय नगरीय सभ्यता सांस ले रही थी, जिसकी सांस्कृतिक निरंतरता और जीवन मूल्य कभी खंडित नहीं हुए।

महिमा

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

भारत के उत्तर-पश्चिम में स्थित हरियाणा की पावन धरा केवल एक भौगोलिक भू-भाग मात्र नहीं है, बल्कि यह सनातन भारतीय सभ्यता, संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना की आदि-संस्थापक है। वैदिक ऋचाओं के प्रथम गुंजन से लेकर महाभारत के महासंग्राम तक और योगेश्वर श्रीकृष्ण की अमर वाणी 'श्रीमद्भगवद्गीता' से लेकर आधुनिक युग के नवनिर्माण तक, इस माटी ने देश के इतिहास को केवल गति ही नहीं दी, बल्कि उसकी दिशा और दशा को भी तय किया है।

भारतीय संस्कृति के आदि-स्रोत 'ऋग्वेद' की ऋचाओं का एक बहुत बड़ा हिस्सा इसी भूमि पर साक्षात अवतरित हुआ था। वैदिक काल में 'ब्रह्मावर्त' और 'ब्रह्मर्षि देश' के नाम से पूजित यह क्षेत्र देव-निर्मित माना गया। मनुस्मृति के द्वितीय अध्याय के सत्रहवें श्लोक का यह उद्घोष इसी पावन धरा की महिमा गाता है, जो पवित्र नदी सरस्वती और दृशद्वती के मध्य स्थित थी:

स्रवन्ती यत्र चक्रतुर्देवता निर्मितं नदौ।
तद्देवनिर्मितं देशं ब्रह्मावर्तं प्रचक्षते॥

आज भू-गर्भीय परिवर्तनों के कारण सरस्वती नदी भले ही विलीन हो चुकी हो, परंतु प्राचीन काल में यह केवल जल की धारा नहीं, बल्कि ज्ञान, विज्ञान और अध्यात्म की अविरल वाहिका थी। इसी के तट पर बैठकर महर्षि वेदव्यास ने वेदों का संकलन किया, महाभारत ग्रंथ की रूपरेखा तैयार की और पुराणों को कलमबद्ध किया। वहीं दृशद्वती के किनारों पर गूंजने वाले वैदिक यज्ञों के मंत्रों ने भारत की यज्ञ-संस्कृति और पर्यावरण के प्रति कृतज्ञता के भाव को सुदृढ़ किया। इस ऋषिकुल परंपरा को जब हम पुरातात्विक साक्ष्यों के तराजू पर तौलते हैं तो हिसार का राखीगढ़ी अपनी विशालता के साथ सामने आता है। सिंधु-सरस्वती सभ्यता का यह सबसे बड़ा केंद्र सिद्ध करता है कि आज से हजारों वर्ष पूर्व भी हरियाणा की भूमि पर एक अत्यंत विकसित, सुसंस्कृत और शांतिप्रिय नगरीय सभ्यता सांस ले रही थी, जिसकी सांस्कृतिक निरंतरता और जीवन मूल्य कभी खंडित नहीं हुए। वैदिक काल की यह ज्ञान-परंपरा जब उत्तर-वैदिक और महाकाव्य काल में प्रवेश करती है तो हरियाणा का 'कुरुक्षेत्र' पूरे आर्यावर्त का वैचारिक और आध्यात्मिक केंद्र बनकर उभरता है। महाभारत का युद्ध भूमि के एक टुकड़े के लिए लड़ा गया महज दो परिवारों का संघर्ष नहीं था, बल्कि वह न्याय और अन्याय, धर्म और अधर्म के बीच उपजा एक वैश्विक वैचारिक महामंथन था। इसी 'धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र' की ऐतिहासिक माटी पर ज्योतिसर नामक स्थान पर जब अर्जुन अपनों के मोह में फंसकर कर्तव्यविमुख होने लगे, तब भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें जो पावन उपदेश दिया, वह 'श्रीमद्भगवद्गीता' के रूप में युगों-युगों के लिए अमर हो गया। महाभारत के वनपर्व के अंतर्गत कुरुक्षेत्र महात्म्य में इस भूमि की पावनता को याद करते हुए यहां तक कहा गया है:

ततो गच्छेत राजेन्द्र कुरुक्षेत्रं समन्ततः।
पांसवोऽपि कुरुक्षेत्रे वायुना समुदाहृताः।
अपि दुष्कृतकर्माणं नयन्ति परमां गतिम्॥

अर्थात कुरुक्षेत्र की उड़ती हुई धूल भी यदि वायु के झोंके से किसी पापी को छू जाए तो उसे परम गति की ओर ले जाती है। आत्मा की अमरता का दर्शन व्यक्ति को काल के भय से मुक्त करता है, तो समत्व का भाव समाज में समरसता, संवेदनशीलता और सह-अस्तित्व की मजबूत नींव रखता है। हरियाणा की सांस्कृतिक आत्मा को समझने के लिए यहाँ के सीधे-सरल रहन-सहन, खान-पान और अनूठी जीवन-शैली को देखना आवश्यक है।

यह एक ऐसी संस्कृति है जो सादगी और पौरुष के मजबूत स्तंभों पर टिकी है। यहाँ का समाज मुख्य रूप से कृषि और पशुपालन से जुड़ा रहा है, जिसका सीधा प्रभाव यहाँ की दिनचर्या पर दिखाई देता है। यहाँ की 'चौपाल' केवल एक बैठने की जगह नहीं है, बल्कि यह ग्रामीण लोकतंत्र, न्याय और भाईचारे की एक जीवंत संस्था रही है, जहाँ बड़े-से-बड़े सामाजिक फैसले आपसी सहमति से सुलझा लिए जाते हैं। इसी सादगी और शुद्धता का प्रतिबिंब यहाँ के खान-पान में भी झलकता है। हरियाणा के इस सीधे-सरल, समृद्ध और सात्विक वातावरण को रेखांकित करते हुए कहा गया है:

देशां में देश हरियाणा, जीत दूध-दही का खाणा।

यह पंक्ति यहां की केवल खान-पान की आदत को नहीं, बल्कि उस संपन्न और निश्छल ग्रामीण जीवन-दर्शन को दर्शाती है, जहाँ दूध, दही, छाछ, घर का निकाला हुआ मक्खन और चूल्हे की तपी हुई बाजरे या गेहूं की रोटियां मुख्य आहार हैं। 'खांड-बूरा' और 'लस्सी' से होने वाला अतिथि सत्कार यहाँ के लोगों के बड़े और उदार दिल का परिचय देता है। इस धरा की पारम्परिक वेशभूषा और आभूषण भी यहाँ की लोक-संस्कृति की एक अमूल्य धरोहर हैं। पुरुषों का परिधान जहाँ उनकी मर्यादा और पौरुष का प्रतीक है, वहीं महिलाओं की वेशभूषा यहाँ के लोक-जीवन के चटकीले रंगों को समेटे हुए है। इस अनूठे रहन-सहन और पहनावे को जो तत्व सबसे अधिक जीवंत और मुखर बनाता है, वह है यहाँ की 'बोली'। हरियाणवी बोली को अक्सर लोग दूर से देखने पर खड़ी या कड़क मान लेते हैं, लेकिन इसके भीतर जो अपनापन, हाजिरजवाबी और निश्छल हास्य छुपा है, वह अद्भुत है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता इसकी निडरता और स्पष्टवादिता है। हरियाणवी जनमानस जो दिल में रखता है, वही जुबान पर लाता है। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का अर्थ केवल सीमाओं की रक्षा नहीं, बल्कि अपनी इसी जीवन-पद्धति, बोली, लोक-कलाओं और नैतिक मूल्यों के प्रति अगाध निष्ठा है। इस मोर्चे पर हरियाणा के लोक-साहित्य और 'सांग' व 'रागनी' परंपरा ने अद्भुत कार्य किया है। यहाँ के लोक-कलाकारों ने केवल मनोरंजन नहीं किया, बल्कि ग्रामीण अंचलों में समाज-सुधार, राष्ट्र-प्रेम और नैतिक चेतना की अलख जगाई। सांग परंपरा के सिरमौर दीपचंद बामण ने जहाँ प्रथम विश्वयुद्ध के संक्रमण काल में अपनी कला से युवाओं के भीतर राष्ट्र-रक्षा का जज्बा फूंका, वहीं हरियाणा के सूर्यकवि पंडित लखमीचंद ने वेदों, उपनिषदों और पुराणों के गूढ़ ज्ञान को अपनी सरल लोक-वाणी में ढालकर गाँव-गाँव के आम जनमानस तक पहुँचा दिया। उनकी रागनियों में बहने वाली गुरु-महिमा, सदाचार और अध्यात्म की रसधार ने समाज को बिखरने से बचाया। इसी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाते हुए अनेक मनीषियों ने अपनी सुरीली और गंभीर लेखनी से ग्रामीण अंचलों में सामाजिक समरसता, मानवीय मूल्यों और दार्शनिक चेतना को जीवित रखा। भौगोलिक रूप से भारत के उत्तर-पश्चिमी द्वार पर स्थित होने के कारण, हरियाणा को सदैव विदेशी आक्रांताओं के पहले प्रहार को झेलना पड़ा था। खैबर और बोलन दर्रों को पार कर दिल्ली की सल्तनत पर आँख गड़ाने वाले हर हमलावर का रास्ता हरियाणा के मैदानों से ही होकर गुजरता था। यही कारण है कि यहाँ का इतिहास निरंतर संघर्षों, शौर्य-गाथाओं और बलिदानों का गवाह रहा है। तराइन के मैदान में पृथ्वीराज चौहान का विदेशी आक्रमणकारियों से लोहा लेना हो या पानीपत की तीन ऐतिहासिक लड़ाइयाँ, इस माटी ने बार-बार भारत के भाग्य के फैसले होते देखे हैं। विशेषकर पानीपत के तीसरे युद्ध में, जब अहमद शाह अब्दाली के खिलाफ भारत की संप्रभुता को बचाने के लिए मराठे उत्तर भारत की ओर बढ़े तो हरियाणा के स्थानीय जनमानस ने रोटी और शरण देकर उनका साथ दिया। इसी सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का प्रखर रूप सन 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम में देखने को मिला, जब अंबाला छावनी से उठी क्रांति की चिंगारी ने पूरे हरियाणा को अपनी चपेट में ले लिया। रेवाड़ी के राजा राव तुलाराम, झज्जर के नवाब अब्दुल रहमान खान और बल्लभगढ़ के राजा नाहर सिंह जैसे नायकों ने मजहब और जाति की दीवारें ढहाकर फिरंगियों के खिलाफ साझा मोर्चा खोला। नसीबपुर (नारनौल) के मैदान में हजारों हरियाणवी वीरों का अपनी माटी और देश की आजादी के लिए हंसते-हंसते प्राण न्योछावर कर देना इस बात का अमिट प्रमाण है कि यह संस्कृति गुलामी की जंजीरों को कभी स्वीकार नहीं कर सकती। 1 नवंबर 1966 को एक स्वतंत्र राज्य के रूप में स्थापित होने के बाद हरियाणा ने प्रगति और परंपरा का एक ऐसा अनूठा समन्वय पेश किया है] जो पूरे देश के लिए मिसाल है। देश के कुल क्षेत्रफल का मात्र 1.3 प्रतिशत होने के बावजूद, हरियाणा आज देश के केंद्रीय अन्न भंडार में दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता है। 'जय जवान, जय किसान' के नारे को पूरी तरह चरितार्थ करते हुए जहाँ इस राज्य का हर दूसरा परिवार देश की सीमाओं पर सजग प्रहरी बनकर खड़ा है, वहीं खेल के मैदानों में भी हरियाणा ने वैश्विक पटल पर भारत का मस्तक हमेशा ऊँचा किया है।

आज समय की मांग है साहित्य का प्रामाणिक और वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण किया जाए ताकि भावी पीढ़ी अपनी जड़ों से कटी न रहे। ग्रामीण अंचलों के ऐतिहासिक स्थलों, पारम्परिक पहनावे के हुनर और लोक-कवियों की स्मृतियों को संजोना इस सांस्कृतिक यात्रा को जीवंत रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

इस तीव्र गति वाले डिजिटल और वैश्विक युग में, जहाँ आधुनिकता की चकाचौंध में कई संस्कृतियाँ अपनी पहचान खो रही हैं, हरियाणा के सामने भी अपनी मूल भाषाई शुद्धता और लोक-परंपराओं को अक्षुण्य रखने की एक बड़ी चुनौती है। आज समय की मांग है साहित्य का प्रामाणिक और वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण किया जाए ताकि भावी पीढ़ी अपनी जड़ों से कटी न रहे। ग्रामीण अंचलों के ऐतिहासिक स्थलों, पारम्परिक पहनावे के हुनर और लोक-कवियों की स्मृतियों को संजोना इस सांस्कृतिक यात्रा को जीवंत रखने के लिए अत्यंत आवश्यक है।

रागिनी | सत्यवीर नाहड़िया

दूध-दही घी आळे चरचे

दूध-दही घी आळे चरचे, हरियाणा में खोग्ये।
लांबे-तगड़े छैल-गाभरू, दास नसे के होग्ये।।

कदे उड़ै पंजाब घणा था,उड़ता इब हरियाणा।
गाम-गळी अर नगर-डगर म्हं,हुया नसे का छाणा।
पाउच-पुड़िया पीणा-खाणा,बीज बिघन के बोग्ये।
लांबे-तगड़े छैल-गाभरू दास नसे के होग्ये।।

एक बखत का यो हरियाणा, था दूध-दही का प्याल्ला।
ब्या-ठिच्चे पै ल्हुक-छिप कोये, घेट करै था आल्ला।
नयी प्योध का न्यारा माल्ला,झूम नसे म्हं सोग्ये।
लांबे-तगड़े छैल-गाभरू, दास नसे के होग्ये।।

नसा नास की जड़ हो सै न्यूँ,म्हारे बड़े बतावैं।
नसे-जाळ म्हं जो रै फँस ज्याँ,सहज छूट ना पावैं।
कोय भूल कै ना फँस ज्यावैं,अंत टेम न्यूँ रोग्ये।
लांबे-तगड़े छैल-गाभरू, दास नसे के होग्ये।।

नसा मिटावण खात्यर आओ,मिलकै अलख जगावां।
जाग्गां दिखे जगावां सभनै,अपणा देस बचावां।
कह 'नाहड़िया' फरज निभावां, क्यूँ इज्जत वो धोग्ये।
लांबे-तगड़े छैल-गाभरू, दास नसे के होग्ये।।

कविता | राजपाल सिंह गुलिया

आच्छी नहीं लड़ाई

रोज-रोज थम लड़ो भिड़ो सौ ,याह तै आच्छी बात नहीं ,
बाताँ तैं ए बात बणैगी , बात याह वाहियात नहीं .

घणी कुभद आच्छी ना हो, फल देर सवेर मिल ज्यागा,
शेर बणया हाँडै एक दिन, तनै सवा सेर मिल ज्यागा.
प्रेम- प्यार का भाव इसा हो, देखै जो औकात नहीं.

तोड़ बात का हो बाताँ तैं , यह आच्छी नहीं लड़ाई ,
बैरा ना किस पै जाकै याह , उतरै किसकी करड़ाई .
आँधी हो सै गोळी लोगो, करती कती दुभात नहीं.

झोट्टे - झोट्टे लड़ैं उड़ै इन , झाड़ाँ का ए खो हो सै.
मारे जाँ सैं लोग सहम ये ,किस मुखिया का के हो सै.
समझदार हो माणस तै हरगिज , होता उत्पात नहीं.

देख लड़ाई म्हं देसाँ के, किसे सींग से फँसरे सैं,
माल मरे का चाहैं सारे , कती लोभ म्हँ धँसरे सैं.
हुए बिचौले 'गुलिया' वो भी ,जिनकी जात जमात नहीं.

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

आचरण | **खेल के मैदान में पसीना बहाने या पढ़ाई करने के बजाय रील्स बनाने में अपना कीमती समय बर्बाद कर रहे युवा**

लोक संस्कृति में बढ़ता बाजारीकरण

मंथन

सरिता

हरियाणा की इस ऐतिहासिक धरती का इतिहास भी अपनी अनूठी संस्कृति की वजह से बहुत समृद्ध रहा है। यहाँ के खेतों की खुशबू, चौपालों की रौनक और हमारे बुजुर्ग कलाकारों की तान ने हमेशा पूरे समाज को आपस में जोड़कर रखा है। लेकिन आज के डिजिटल दौर में, जहाँ हर तरफ इंटरनेट और सोशल मीडिया का असर है, हरियाणा का यह ताना-बाना एक बड़े संकट से घिर गया है। जिस लोक संस्कृति का मकसद लोगों का मनोरंजन करने के साथ-साथ समाज को अच्छी सीख देना था, आज वह बाजार के लालच और अश्लीलता की भेंट चढ़ती जा रही है।

यूट्यूब और इंस्टाग्राम रील्स पर व्यूज और लाइक्स पाने की इस होड़ ने हमारी संस्कृति की मूल भावना को बहुत ठेस पहुँचाई है। हरियाणा की लोक संस्कृति की जड़ें बहुत गहरी थीं। यहाँ की सांग परंपरा केवल टाइमपास का साधन नहीं थी। यह खुली चौपालों में होने वाला एक ऐसा नाटक था जो लोगों को सच, ईमानदारी और त्याग का रास्ता दिखाता था। इसी तरह रागनियों से जीवन के गहरे सच और सामाजिकता से परिचय होता था। हमारे अपने वीरों के किस्से युवाओं में देशप्रेम और आपसी भाईचारे का जोश भरते थे और भजनों के जरिए समाज की बुराइयों पर चोट की जाती थी। जब से सबके हाथ में स्मार्टफोन और सस्ता इंटरनेट आया है, चीजें बहुत बदल गई हैं। इसने जानकारी तो सब तक पहुँचाई, लेकिन साथ ही हमारी संस्कृति में एक तरह का प्रदूषण भी फैला दिया है। यूट्यूब और रील्स के इस दौर ने लोक संस्कृति को रातों-रात बाजार में बिकने वाला सामान बना दिया है। आज कोई गाना या कला कितनी अच्छी है, यह इस बात से तय नहीं होता कि उसमें कितनी गहरी बात कही गई है, बल्कि इस बात से तय होता है कि वह कितनी जल्दी इंटरनेट पर वायरल हो सकती है। इस चक्कर में जो कलाकार सचमुच अच्छा और साफ-सुथरा काम करना चाहते हैं, उन्हें लोग भूलते जा रहे हैं, जबकि सनसनी फैलाने वाले या भड़काऊ चीजें परोसने वाले लोग रातों-रात स्टार बन रहे हैं। पैसे कमाने की इस अंधी दौड़ ने हमारी संस्कृति के असली चेहरे को बिगाड़ दिया है। आजकल के हरियाणवी गानों और वीडियो में अश्लीलता का बढ़ना सबसे चिंता की बात है। पारंपरिक सादगी को छोड़कर अब गानों में सिर्फ दिखावे और अंग-प्रदर्शन को बढ़ावा दिया जा रहा है। दोहरे अर्थ वाले शब्द और भद्दे इशारों वाले ये गाने आज शादियों, पार्टियों और गाड़ियों में आम बजते सुनाई देते हैं। इससे धीरे-धीरे समाज में इस तरह की अश्लीलता को एक सामान्य बात माना जाने लगा है, जो कि बहुत खतरनाक है। इसके साथ ही गानों में बंदूकों, हथियारों और बदमाशी को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने का एक नया चलन शुरू हो गया है। आज के ज्यादातर मशहूर गानों में नायक को कानून तोड़ते, हथियार लहराते और लड़ाई-झगड़ा करते दिखाया जाता है। बदमाशी, रौब जमाना या जेल जाने को इस तरह पेश किया जाता है, जैसे यही असली नायक हो। यह बात सीधे तौर पर हमारी कानून-व्यवस्था को नुकसान पहुँचाती है और कम उम्र के बच्चों के दिमाग पर बहुत बुरा असर डाल रही है। इससे युवाओं में गुस्सा और अपराध की भावना बढ़ रही है। एक और दुखद बात यह है कि हरियाणा का समाज हमेशा से 'छत्तीस बिरादरी' के भाईचारे के लिए जाना जाता था, जहाँ सांग देखने के लिए हर वर्ग के लोग एक साथ चौपाल पर बैठते थे। लेकिन आज के गानों और सोशल मीडिया ने इस आपसी भाईचारे को भी चोट पहुँचाई है। अब खास जातियों के नाम पर गाने बनाए जा रहे हैं, जिनमें खुद की जाति को सबसे ऊपर और दूसरों को नीचा दिखाने की कोशिश होती है। ऐसे गाने युवाओं के दिलों में एक-दूसरे के प्रति नफरत और दूरी पैदा कर रहे हैं। इन गानों के नीचे इंटरनेट पर लोग एक-दूसरे को गालियाँ देते नजर आते हैं, जो हमारे शांतिपूर्ण समाज के भविष्य के लिए अच्छा नहीं है। हम जैसा देखते और सुनते हैं, धीरे-धीरे हमारे संस्कार और व्यवहार भी वैसे ही होने लगते हैं। जब युवा दिन-रात फोन पर अश्लीलता, हथियार और जातिवाद देखेंगे, तो उनका पढ़ाई, मेहनत और अच्छे मूल्यों से भरोसा उठने लगता है। खेल के मैदान में पसीना बहाने या पढ़ाई करने के बजाय वे रातों-रात मशहूर होने के लिए खतरनाक रील्स बनाने में अपना कीमती समय बर्बाद कर रहे हैं। ये चीजें उन्हें नशे और गलत संगति की तरफ भी धकेल रही हैं। ऐसी चिंतनीय स्थिति में हमें मिलकर कुछ जमीनी और व्यावहारिक कदम उठाने होंगे। आज अपनी वास्तविक परम्पराओं को सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं के बीच रखना होगा ताकि नई पीढ़ी को पता चल सके कि हमारी असल संस्कृति क्या है। नफरत और अश्लीलता फैलाने वाले वीडियो पर कड़ी कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में हमारे पुराने वाद्य यंत्रों को दोबारा जगह मिलनी चाहिए और साफ-सुथरी रागनी प्रतियोगिताएं होनी चाहिए। हमेशा ध्यान रखें कि बच्चे फोन पर क्या देख और सुन रहे हैं।

हम जैसा देखते और सुनते हैं, धीरे-धीरे हमारे संस्कार और व्यवहार भी वैसे ही होने लगते हैं। जब युवा दिन-रात फोन पर अश्लीलता, हथियार और जातिवाद देखेंगे, तो उनका पढ़ाई, मेहनत और अच्छे मूल्यों से भरोसा उठने लगता है। खेल के मैदान में पसीना बहाने या पढ़ाई करने के बजाय वे रातों-रात मशहूर होने के लिए खतरनाक रील्स बनाने में अपना कीमती समय बर्बाद कर रहे हैं।

बदलाव और आधुनिकता से कोई परहेज नहीं होना चाहिए, लेकिन अपनी जड़ों को भूलकर तो आगे नहीं बढ़ा जा सकता। हमें अपने बच्चों को दोबारा चौपाल की संस्कृति और बुजुर्गों की सीख से जोड़ना होगा। अगर आज हमने बाजार की चकाचौंध में अपनी इस विरासत को खो दिया, तो हम अपनी पहचान खो देंगे।

अभिनय क्षेत्र में निष्ठा व समर्पण के साथ करें कार्य : राम नारायण

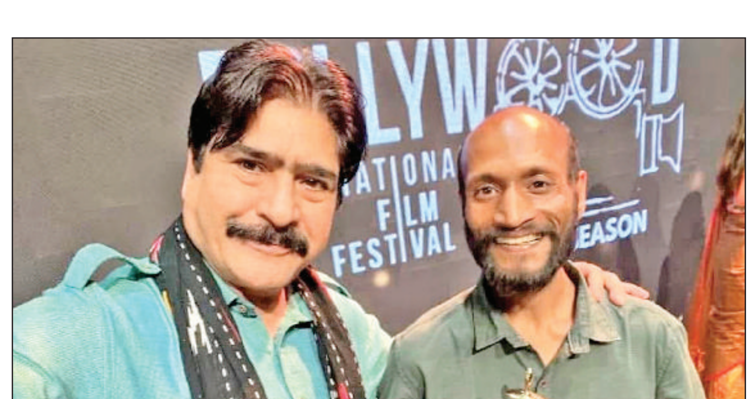

कलाकार

डॉ. तबस्सुम जहां

हरियाणा में रंगमंच की स्थिति अभी भी अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंची है। पिछले आठ-दस वर्षों में हरियाणवी सिनेमा ने इस क्षेत्र को कुछ हद तक संभाला अवश्य है, लेकिन वास्तविक हरियाणवी संस्कृति की झलक अभी भी सीमित रूप में दिखाई देती है। केवल हरियाणवी बोली बोलने से संस्कृति का संरक्षण नहीं होता। उसके मूल मूल्यों, परंपराओं और जीवन शैली को भी प्रस्तुत करना आवश्यक है। संभावनाए तो बहुत हैं, लेकिन उन्हें सही दिशा में आगे बढ़ाने की आवश्यकता है।

संघर्षों की आग में तपकर ही कलाकार अपनी वास्तविक पहचान बनाता है। हरियाणा की सांस्कृतिक धरती से निकलकर रंगमंच, फिल्मों और वेब सीरीज तक का सफर तय करने वाले राम नारायण ऐसे ही कलाकार हैं, जिन्होंने सीमित संसाधनों और अनेक चुनौतियों के बावजूद अपनी प्रतिभा और समर्पण के बल पर अभिनय जगत में एक विशिष्ट स्थान बनाया है।

उनका जीवन संघर्ष, कला और निरंतर सीख की प्रेरणादायक कहानी प्रस्तुत करता है। रंगमंच से अपने अभिनय सफर की शुरुआत करने वाले राम नारायण ने समय के साथ फिल्म और डिजिटल माध्यमों में भी अपनी सशक्त पहचान स्थापित की। उन्होंने दूरदर्शन के लिए प्रौढ़ शिक्षा पर आधारित एक फिल्म तथा इग्नू के नर्सिंग कोर्स पर डॉक्यूमेंट्री में काम किया। उन्होंने राजू पंजाबी के लोकप्रिय गीत 'हरियाणा तो बदल गया' के साथ-साथ 'बूमरेंग' (कफन पर आधारित), काण्ड 2010, बवाल, कोहरा-2 और वादा जैसी परियोजनाओं में अपने प्रभावशाली अभिनय का प्रदर्शन किया है। उनके अभिनय की यह यात्रा निरंतर आगे बढ़ रही है और उनकी आगामी फिल्मों मोमाकु तथा कांडी का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। हिसार शहर में जन्मे राम नारायण चार भाई-बहनों में सबसे छोटे थे। परिवार के आर्थिक हालात इनके अनुकूल न रहे। यही कारण है कि रंगमंच को करियर बनाने पर उन्हें परिवार का अपेक्षित सहयोग नहीं मिला, फिर भी उन्होंने संघर्षों और अभावों के बीच अपने अभिनय सफर को जारी रखा। कई बार उन्हें यह कहकर बिना पारिश्रमिक काम कराया गया कि बजट नहीं है, जबकि अन्य लोगों को भुगतान किया जाता था। इस अनुभव ने उन्हें सिखाया कि कलाकार को अपनी मेहनत और कला का सम्मान करते हुए अपने काम का उचित मूल्य अवश्य लेना चाहिए। अपने थियेटर के प्रति गहरे जुड़ाव के संदर्भ में राम नारायण बताते हैं कि कक्षा 3 में उन्हें पहली बार मंच पर प्रदर्शन करने का अवसर मिला और कक्षा 6 से 10 तक वे संगीत तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों में सक्रिय रहे। कॉलेज के दौरान रंगमंच के प्रति उनकी रुचि और बढ़ी तथा बी.ए. के दूसरे वर्ष से उन्होंने निर्देशन और नाट्य गतिविधियों की जिम्मेदारियां संभालनी शुरू कर दीं। बाद में उन्होंने छह वर्षों तक संस्कृत नाटकों का निर्देशन किया और विभिन्न विश्वविद्यालयों के युवा महोत्सवों में नाटिका, माइम एवं स्किट प्रस्तुत कर अपनी अलग पहचान बनाई। राम नारायण ने स्टेज ऐप की 'कांड 2010' तथा और सुपवा के साथ 'चूल्हा न्यौंद' में काम किया है। मुंबई में कांड 2010 वेब सीरीज के लिए अवार्ड मिलने पर राम नारायण बताते हैं कि जब 'काण्ड 2010' के लिए सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता (बेस्ट स्पोर्टिंग एक्टर) का पुरस्कार मिलने की सूचना मिली, तो वह क्षण मेरे लिए अत्यंत खुशी का था। इसके अलावा इन्हें 'बूमरेंग' (कफन पर आधारित) के लिए अमेरिका के एक फिल्म समारोह में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का सम्मान प्राप्त हुआ। यह उपलब्धि आपके अभिनय जीवन की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है। कांड 2010 वेबसीरीज में अपने किरदार और अनुभव के बारे में राम नारायण बताते हैं कि वर्ष 2010 में निर्देशक राजेश बब्बर द्वारा काण्ड में जगदीश के चरित्र के लिए चुना जाना उनके लिए बेहद भावुक और यादगार क्षण था। हालांकि वे पहले भी कई चुनौतीपूर्ण भूमिकाएँ निभा चुके थे, लेकिन जगदीश का चरित्र अपनी सामाजिक पृष्ठभूमि और गहरी मनोवैज्ञानिक जटिलताओं के कारण उनके लिए विशेष रहा। कैमरे के सामने और रंगमच पर अभिनय की दृष्टि से वह बड़ा अंतर मानते हैं। उनके अनुसार कैमरे के सामने काम करने का एक लाभ यह है कि आपको दृश्य दोबारा करने का अवसर मिल जाता है, लेकिन रंगमंच में ऐसा नहीं होता। यदि कोई त्रुटि रह जाए, तो उसे अगले शो में ही सुधारा जा सकता है, और अगला शो कब मिलेगा, यह निश्चित नहीं होता। हरियाणा के रंगमंच और हरियाणवी सिनेमा की वर्तमान स्थिति के संदर्भ में चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि प्रदेश में रंगमंच की स्थिति अभी भी अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंची है। पिछले आठ-दस वर्षों में हरियाणवी सिनेमा ने इस क्षेत्र को कुछ हद तक संभाला अवश्य है, लेकिन वास्तविक हरियाणवी संस्कृति की झलक अभी भी सीमित रूप में दिखाई देती है। केवल हरियाणवी बोली बोलने से संस्कृति का संरक्षण नहीं होता। उसके मूल मूल्यों, परंपराओं और जीवन शैली को भी प्रस्तुत करना आवश्यक है। संभावनाए तो बहुत हैं, लेकिन उन्हें सही दिशा में आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। यशपाल शर्मा ने दादा लखमी फिल्म बनाकर इसी विचार को आगे बढ़ाकर सफलतापूर्वक साकार किया। उभरते नए युवा कलाकारों के लिए राम नारायण संदेश देते हैं कि आपने इस क्षेत्र को चुना है, तो पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करें। समय की पाबंदी रखें। जो देर से आए, उसे यह महसूस होना चाहिए कि उसने एक अवसर खो दिया है।

खबर संक्षेप

कैथल में आज से शुरू होगी गीत कार्यशाला

कैथल। कला एवं सांस्कृतिक विभाग, हरियाणा (चंडीगढ़) के सौजन्य से सोमवार, 8 जून से श्री नर नारायण सेवा समिति, माधव सेवा केन्द्र, पंत नगर (कैथल) के प्रांगण में 'दस दिवसीय पारम्परिक लोक गीतों की कार्यशाला' का आगाज़ होने जा रही है। विभाग की अधिकारी मैडम दीपिका की सोच के तहत आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य लुप्त हो रहे लोक गीतों को युवाओं के बीच पुनः जीवित करना है।

साध्वी ने शुरू की 25 दिवसीय पंच धूनी तपस्या

राजौंद। गांव किठाना के शिव मंदिर में तपस्या गिरी द्वारा 25 दिन की पंच धूनी तपस्या शुरू की गई है। यह तपस्या प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से लेकर 2:30 बजे तक तपती गर्मी में की जा रही है। साध्वी पांच धूनों के बीच बैठकर विश्व की सुख-शांति के लिए कठोर तप कर रही हैं। मंदिर के पुजारी देवेंद्र शास्त्रेनी ने बताया कि साध्वी मूल रूप से गांव किठाना की निवासी हैं, लेकिन वर्तमान में हरिद्वार के श्री पंच दशनामी जूना अखाड़ा में रह रही हैं। उन्होंने बताया कि साध्वी ने विश्व शांति की कामना को लेकर गांव के शिव मंदिर में यह विशेष तपस्या 31मई से शुरू की है जो 24 जून तक जारी रहेगी।

सोलर सिस्टम लगाकर उठाएं योजना का लाभ

कैथल। डीसी अपराजिता ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा पीएम सूर्य घर - मुफ्त बिजली योजना शुरू की गई है। अंत्योदय परिवार जिनकी सालाना आय 1.80 लाख से कम है व जिनकी सालाना बिजली खपत 2400 युनिट तक है, वे दो किलोवाट तक का सोलर पैनल लगवाने पर भारत सरकार की ओर से 60 हजार रुपये व हरियाणा सरकार की ओर से 50 हजार रुपये अनुदान यानि कि कुल 1.10 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त कर सकते हैं ।

1933 पर दें ड्रग्स तस्करी की गुप्त जानकारी : डीसी

कैथल। डीसी अपराजिता ने बताया कि केंद्र सरकार ने नशे के खिलाफ राष्ट्रीय नारकोटिक्स हेल्पलाइन मानस-1933 शुरू किया हुआ है। यह हेल्पलाइन देश को 2047 तक नशा मुक्त बनाने के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। मानस हेल्पलाइन नंबर 24 घंटे चालू रहता है।लोग इस पर ड्रग्स तस्करी की गुप्त जानकारी साझा कर सकते हैं। सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

सांसद जिंदल ने दिया पौष्टिक खाने पर जोर

कैथल। विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर सांसद नवीन जिन्दल ने कुरुक्षेत्र संसदीय क्षेत्र के नागरिकों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा सुरक्षित एवं पौष्टिक भोजन को अपने दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने की अपील की है। सांसद नवीन जिन्दल ने अपने संदेश में कहा कि स्वस्थ समाज और सशक्त राष्ट्र की नींव सुरक्षित एवं पौष्टिक भोजन पर टिकी होती है। भोजन केवल भूख मिटाने का साधन नहीं, बल्कि बेहतर स्वास्थ्य, कार्यक्षमता और उज्ज्वल भविष्य का आधार है।

पंजाबी सेवा सदन ने बांटा राशन

कैथल। पंजाबी सेवा सदन परिसर में हर माह की तरह आज आर्थिक रूप से कमजोर जरूरतमंद परिवारों को राशन बांटा गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंजाबी सेवा सदन के प्रधान प्रदर्शन परुथी ने की। प्रधान ने बताया कि हर माह की तरह आज भी आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को संस्था द्वारा राशन वितरित किया गया जो कि हर माह के पहले रविवार को दिया जाता है।

विभिन्न मुद्दों को लेकर कश्यप समाज की बैठक

कैथल। कैथल बस स्टैंड के नज़दीक कश्यप समाज के कार्यालय में सर्व कश्यप समाज के गणमान्य सदस्यों ने समाज के गंभीर मुद्दों पर बैठक की अध्यक्षता करते हुए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुल्तान सिंह कश्यप ने कहा कि राज्य के बीसी ए वर्ग में कश्यप समाज की संख्या सबसे अधिक है किन्तु फिर भी सभी सत्तासीन सरकारें कश्यप समाज की सबसे ज्यादा अनदेखी करती आई हैं।

परेड में हासिल किया गोल्ड मेडल

नवीन ने लेफ्टिनेंट बनकर जिले का नाम किया रोशन

कमांडेंट ले. जनरल नागेंद्र सिंह ने कैडेट्स को उपाधि प्रदान की

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

आर्मी कैडेट कालेज (एसीसी) के 73 कैडेट शनिवार को स्नातक उपाधि प्राप्त कर भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) की मुख्यधारा में शामिल हो गए। आईएमए के चेटवुड सभागार में आयोजित एसीसी के 127वें दीक्षा समारोह में अकादमी के कमांडेंट ले. जनरल नागेंद्र सिंह ने कैडेटों को उपाधि प्रदान की। उपाधि प्राप्त करने वाले कैडेट अब आईएमए में एक वर्ष का सैन्य प्रशिक्षण पूरा करने के बाद भारतीय सेना में अधिकारी के रूप में शामिल होंगे। स्नातक होने वाले 73 कैडेटों में 32 विज्ञान और 41 कला वर्ग के छात्र शामिल हैं। कमांडेंट ने कहा कि एसीसी ने देश को बड़ी संख्या में उत्कृष्ट और जांबाज सैन्य अधिकारी दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि कैडेटों के जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव है और अब देश की आन, बान और शान बनाए रखने की जिम्मेदारी उनके कंधों पर होगी। इससे पूर्व एसीसी के प्रधानाचार्य डा. नवीन कुमार ने कालेज की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। एसीसी विंग के कमांडर ब्रिगेडियर पीयूष खुराना ने सभी कैडेटों को शुभकामनाएं दीं।

कैथल। नवीन को सम्मानित करते उनके माता-पिता। फोटो: हरिभूमि

पुरस्कार विजेता

चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ मेडल

- स्वर्ण पदक : नवीन (हरियाणा)
- रजत पदक : अवनीश कुमार मिश्रा (उत्तर प्रदेश)
- कांस्य पदक : हर्षराज (झारखंड)

कमांडेंट सिल्वर मेडल

- सर्विस विषय : अमनप्रीत सिंह (पंजाब)
- कला वर्ग : अवनीश कुमार मिश्रा
- विज्ञान वर्ग : नवीन

नवीन की इस उपलब्धि पर गांववासियों में खुशी की लहर

इस प्रकार जिला कैथल के गांव धौंस के नवीन पुत्र रमेश गुर्जर ने ओवर आल प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल प्राप्त करते हुए विज्ञान वर्ग में भी गोल्ड मेडल प्राप्त किया। इस उपलब्धि से राज्य के साथ जिला कैथल के नाम का डंका आईएमए में बजा। नवीन की इस उपलब्धि पर गांववासियों में ख़ुशी की लहर है। गुर्जर धर्मशाला कुरूक्षेत्र के प्रधान ऋषिपाल कसाना, वरिष्ठ उपप्रधान रामस्वरूप गांगल, बनारसी दास पंवार, कैथल धर्मशाला के प्रधान सुरेश तंवर, प्रदीप कालस काकोत ने नवीन व उसके परिवार को बधाई दी तथा कहा कि नवीन की इस उपलब्धि से युवाओं में देशभक्ति तथा मेहनत व लग्न के साथ शिक्षा प्राप्त करने का जज़्बा पैदा हुआ है। बता दें कि नवीन गांव धौंस के सामान्य किसान परिवार से संबंध रखते हैं। इनके पिता रमेश कुमार जेल विभाग में कार्यरत हैं। नवीन ने अपनी दसवीं की परीक्षा कठवाड स्थित आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल से 97 प्रतिशत अंकों से तथा बारहवीं कक्षा 95 प्रतिशत अंकों से गीता निकेतन कुरूक्षेत्र से पास करके वायुसेना में नियुक्ति प्राप्त की। सेना में कार्य करते हुए अपनी मेहनत व लगन से लेफ्टिनेंट की परीक्षा पास करके अपनी प्रतिभा व देशभक्ति का परिचय दिया।

तनाव नियंत्रण के तरीके बताए

- तनाव प्रबंधन विषय पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ⏭राजौंद

राजौंद। तनाव प्रबंधन कार्यक्रम में शिक्षकों को संबोधित करते विशेषज्ञ।

बिरला ओपन माइंड्स इंटरनेशनल स्कूल में शिक्षकों एवं कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय 'तनाव प्रबंधन एवं क्षमता निर्माण' कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस सत्र में प्रसिद्ध विशेषज्ञ एवं केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के संसाधन से सचिन मिड्ढा ने मुख्य वक्ता के रूप में भाग लिया।कार्यक्रम का उद्देश्य शैक्षणिक एवं व्यावसायिक जीवन में आने वाले तनाव को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करना तथा शिक्षकों की कार्यक्षमता को बढ़ाना था। इस दौरान सचिन मिड्ढा ने वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक दौर में तनाव के मनोवैज्ञानिक कारणों और उसके स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने प्रतिभागियों को तनाव कम करने के लिए विभिन्न व्यावहारिक तकनीकों जैसे—सचेतन ध्यान (माइंडफुलनेस), समय प्रबंधन और सकारात्मक चिंतन का अभ्यास कराया। साथ ही शिक्षकों को कार्य और व्यक्तिगत जीवन के बीच संतुलन बनाए रखने तथा अपनी मानसिक ऊर्जा को सुरक्षित रखने के महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

हथो में नए स्कूल भवन की नींव

जींद। हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि प्रदेश में गांव, गरीब, किसान और आमजन की सरकार है। गरीब कल्याण और ग्रामीण विकास की सर्वोच्च प्राथमिकता पर फोकस कर राज्य सरकार द्वारा जनकल्याणकारी योजनाएं बनाकर निरंतर विकास परियोजनाओं को अमलीजामा पहनाया जा रहा है। ग्रामीण आंचल में ढाणियों तक बिजली लाइनें और सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। साथ ही पेयजल व्यवस्था, बेहतर शिक्षा तथा चिकित्सा सुविधाओं जैसी बुनियादी जरूरतों का विस्तार किया जा रहा है। भविष्य में गांवों में भी शहरों की तर्ज पर समग्र विकास लाजिमी बनेगा। कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी रविवार को विधानसभा क्षेत्र के गांव हथो में ग्रामीण सभा को संबोधित कर रहे थे। कैबिनेट मंत्री ने दो करोड़ 35 लाख रुपये से बनने वाले नए स्कूल भवन के रूप में गांव को विकास की एक ओर सौगात दी। सर्वशिक्षा अभियान के तहत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में बनने वाले इस भवन में आधुनिक सुविधाओं से लैस 19 कमरे होंगे। उनमें से तीन कमरों में आधुनिक तकनीकी स्तर की अलग-अलग सांइस लैब बनेगी। इसके अलावा छात्र एवं छात्राओं के लिए चार-चार शौचालय भी बनाए जाएंगे। कैबिनेट मंत्री ने भूमि पूजन कर नए स्कूल भवन निर्माण का शिलान्यास किया। इस प्रकार मौजूदा सरकार के केवल 18 महीने के कार्यकाल के दौरान हथो गांव के विकास के लिए चार करोड़ 85 लाख से ज्यादा की रिकॉर्ड धनराशि अलॉट की जा चुकी है। विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए कैबिनेट मंत्री ने स्कूल प्रांगण में पौधारोपण भी किया। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान केंद्र व राज्य सरकार का विजन ग्रामीण विकास है जबकि अन्य दलों की सरकारों के दौरान इस विषय की ओर ध्यान नहीं दिया गया।

जींद। नींव पत्थर रखते हुए मंत्री।

ई-स्कूटी में आग के शोले धधके

हरिभूमि न्यूज ⏭कलायत

कलायत के गांव शिमला में अचानक एक ई-स्कूटी में आग के शोले धधक उठे। बचाव के प्रयास करने से पहले ही स्कूटी राख में तबदील हो गई। सुझबुझ से चालक मा.जोगेंद्र सिंह खुद की जान बचाने में सफल रहा। जोगेंद्र सिंह ने बताया कि वे अपनी ई-स्कूटी पर कलायत से कुछ सामान लेकर अपने गांव आ रहे थे। गांव के पास पहुंचने पर अचानक ई-स्कूटी बंद हो गई। उन्होंने उसे वहीं स्टैंड पर लगाया और सामान लेकर घर चले गए। उनके कुछ दूर जाते ही अचानक स्कूटी में जोरदार धमाका हुआ। वह धूं-धूं करके जलने लगी। प्रत्यक्षदर्शी अशोक कुमार ने बताया की ई-स्कूटी में धमाके के साथ ही आग के शोले धधक उठे। जोगेंद्र सिंह ने बताया कि उनके गांव में बड़ी संख्या में लोग ई-स्कूटी का प्रयोग करते हैं। ई-स्कूटी में आग लगने के कारणइलेक्ट्रिक व्हीकल विक्रेता अरुण ने बताया की ई-स्कूटी में आग लगने का सबसे मुख्य कारण उनकी लिथियम-आयन बैटरी में होने वाला थर्मल रन अवे है।

कलायत के गांव शिमला में जली स्कूटी।

शहीद के भाई को अनुकंपा नियुक्ति का इंतजार

- सरकारी घोषणा के महीनों बाद भी नहीं मिली नौकरी, परिवार लगा रहा कार्यालयों के चक्कर

हरिभूमि न्यूज ⏭राजौंद

राजौंद। शहीद नरेंद्र सिंधु के परिवारजन,जो अनुकंपा नियुक्ति के लिए लंबे समय से कर रहे इंतजार व शहीद नरेन्द्र सिंधु। फोटो: हरिभूमि

गांव रोहेड़ा के शहीद नरेंद्र सिंधु, जिन्होंने देश की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी, उनके परिवार को अब भी सरकारी वादे पूरे होने का इंतजार है। सरकार द्वारा शहीद के परिवार के एक सदस्य को अनुकंपा नियुक्ति देने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन महीनों बीत जाने के बाद भी उनके भाई को नौकरी नहीं मिल पाई है। नरेंद्र सिंधु का नाम उन जांबाज सैनिकों में दर्ज है जिन्होंने पहलगाम आतंकी हमले में शामिल दो लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों को मार गिराया और देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। उनके इस साहस को सम्मान देते हुए राज्य सरकार ने परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की घोषणा की थी। यह घोषणा परिवार के लिए आर्थिक सहारा होने के साथ-साथ शहीद के बलिदान का सम्मान भी थी।हालांकि, घोषणा के बाद फाइलें दफ्तरों में घूमती रह गईं और प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। शहीद के चाचा और भाई ने कई बार संबंधित विभागों के चक्कर लगाए और आवेदन दिए, लेकिन हर बार उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिला।

योग कोई पूजा-पाठ नहीं, विज्ञान सम्मत जीवन शैली : रामचरण

कैथल। सेक्टर 20 हुड्डा पार्क में चल रहे शह- योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर व सर्व रोग निवारण शिविर के छठे दिन का शुभारंभ पूर्व संसदीय सचिव व इनेलो के प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा तथा रोटरी क्लब के प्रधान प्रवीण चौधरी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित करके किया। आचार्य हरिओम व युवा भारत के जिला प्रभारी अनिल कुमार गुप्ता ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का प्रोटोकॉल साधकों को सिखाया व खान-पांच के बारे में जागृत किया। बदन सिंह आर्य ने वृक्षासन व कुर्सी आसन करके दिखाया। गुड्डी देवी, नीरज मित्तल, अनिल राणा, प्रेम जांगड़ा, कविता गुप्ता, नीलम रत्तेवाल, सुरेश प्रजापति, बीरभान कौशिक, महेंद्र प्रजापति ने सुत गर्भासन, शीर्षासन, तुलासन, सुप्त वज्रासन का प्रदर्शन किया। रामपाल माजरा ने अपने उद्बोधन ने कहा की जीवन के लिए योग जरूरी है। पतंजलि योग समिति व खाटू श्याम सालासर सेवा समिति शहर को के लोगों को निरोग करने के लिए कार्य कर रही है इसलिए नियमित हमें योग अवश्य करना चाहिए।

उचाना के लोग गर्दन का सरिया निकालने में माहिर: अत्री

हरिभूमि न्यूजर ⏭उचाना

उचाना। मेरिट प्राप्त करने वाली छात्राओं को सम्मानित करते हुए विधायक।

भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री सुरबरा गांव में आयोजित संत शिरोमणि सतगुरू कबीर साहेब के 629वें प्रकट दिवस पर मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे। यहां पर 10वीं, 12वीं कक्षा में मेरिट प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया। कबीर साहेब के दिखाए मार्ग पर चलने की प्रेरणा आमजन को देते हुए विधायक ने कहा कि महापुरूष एक जाति के नहीं होते वो सर्वसमाज के होते है। महापुरूषों की जयंती राज्यस्तर पर मनाने की शुरूआत भाजपा के 2014 में सत्ता में आने के बाद की।

पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह का बिना नाम लिए विधायक ने कहा कि एक परिवार जो उचाना से 40 साल तक राजनीति करता आ रहा है। कभी मुख्यमंत्री तो कभी कोई सपना दिखते हुए हलके के लोगों को बेवकूफ बनता रहा। हलके के लोगों ने साहस दिखाते हुए साधारण परिवार के बेटे को जिसे भाजपा ने उम्मीदवार बनाया उसे आशीर्वाद देकर विधानसभा भेजा। इस परिवार के थोड़ा वहम आज भी बाकी है वो भी अगले चुनाव में मतदाता निकाल देंगे। आज भी ये घमंड, अहंकार में है। उचाना के लोग गर्दन का सरिया जल्दी निकालते है। इन लोगों ने तानाशाह बन कर काम किया। पहले परिस्थिति क्या थी सबको पता है। दिल्ली, चंडीगढ़ लोगों को जाना पड़ता था। आज मेरी कोशिश रहती है कि हलके में पांच दिन लोगों के बीच रहूं। गरीब, जरूरतमंद व्यक्ति उनके घर तक जाने की हिम्मत नहीं करता था आज वो ही लोग मेरे पास ड्राईंग रूम, बैडरूम में बैठकर मेरे साथ बात करते है। उचाना के मतदाताओं ने सबक सिखाते हुए इन्हें घर बैठने का काम किया।

प्रेम, सदाचार और सेवा का मार्ग ही सच्ची भक्ति

सीवन। धार्मिक चर्चा के दौरान महंत लक्ष्मी नारायण पुरी ने कहा कि ईश्वर की कृपा प्राप्त करने के लिए केवल पूजा-अर्चना ही नहीं, बल्कि जीवन में अच्छे संस्कारों और सद्गुणों को अपनाना भी आवश्यक है। जो व्यक्ति सभी से प्रेम करता है, दूसरों का सम्मान करता है और मानवता की सेवा को अपना धर्म मानता है, वही सच्चे अर्थों में भगवान का प्रिय बनता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में समाज को प्रेम, भाईचारे और आपसी सद्भाव की सबसे अधिक आवश्यकता है। को समाज में सम्मान दिलाते हैं। महंत लक्ष्मी नारायण पुरी ने कहा कि माता-पिता का सम्मान, जरूरतमंदों की सहायता, सत्य का पालन और विनम्र व्यवहार मनुष्य के जीवन को सार्थक बनाते हैं।

भाजपा की बैठक में बताई योजनाएं

- संगठन की मजबूती के लिए कार्यकर्ताओं को किया गया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ⏭सीवन

सीवन। आयोजित बैठक में भाग लेते भाजपा सदस्य। फोटो: हरिभूमि

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के निर्देशानुसार अंतनिर्भर मंडल की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन मंडल अध्यक्ष प्रवीण रसूलपुर के नेतृत्व में किया गया। बैठक में मंडल प्रभारी सहित संगठन के विभिन्न पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस दौरान संगठन की आगामी गतिविधियों, जनसंपर्क अभियानों तथा संगठनात्मक विस्तार को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक का शुभारंभ संगठनात्मक विषयों पर विचार-विमर्श के साथ हुआ। मंडल अध्यक्ष प्रवीण रसूलपुर ने उपस्थित कार्यकर्ताओं का स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक संगठन है और इसकी सफलता का आधार समर्पित कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कहा कि संगठन द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों को सफल बनाना प्रत्येक कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है। बैठक के दौरान बूथ सशक्तिकरण अभियान, सदस्यता विस्तार अभियान, जनसंपर्क कार्यक्रमों तथा आगामी राजनीतिक एवं सामाजिक गतिविधियों की रूपरेखा तैयार की गई। पदाधिकारियों ने बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाने, नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने तथा केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया।

प्रतिभा सम्मान अभियान के तहत प्रवेश शर्मा सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭राजौंद

नेशनल प्रतियोगिता में जीता कांस्य

कन्या शक्ति मिशन फाउंडेशन की टीम द्वारा चलाए जा रहे प्रतिभा सम्मान अभियान के तहत राजौंद के खिलाड़ी प्रवेश शर्मा को सम्मानित किया गया। प्रवेश शर्मा ने गुजरात में आयोजित नेशनल पंजा लड़ाओ प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतकर न केवल कैथल जिले बल्कि पूरे हरियाणा का नाम रोशन किया है। फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने प्रवेश शर्मा के निवास स्थान पर पहुंचकर उन्हें तिरंगा भेंट किया, फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया तथा मिठाई खिलाकर उनका उत्साहवर्धन किया। चेयरमैन राजकुमार सिसला ने कहा कि आज युवा हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहरा रहे हैं और समाज को उन पर गर्व है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित करना अभियान का मुख्य उद्देश्य है।

प्रवेश शर्मा को सम्मानित करते हुए कन्या शक्ति मिशन फाउंडेशन के पदाधिकारी।

प्रतिभा | बुलंद हौसलों से खुलते हैं सफलता के रास्ते : जॉनी ग्रोवर

अंतरराष्ट्रीय डांस एवं गायन मास्टर शो-2026 में शन्नो देवी 'साइन' ने जीता प्रथम स्थान

हरिभूमि न्यूज ⏭गुहला-चीका

रावल एस एंटरटेनमेंट, जींद द्वारा कैथल में आयोजित अंतरराष्ट्रीय डांस एवं गायन मास्टर शो-2026 में जिला कैथल के गांव खरकां की प्रतिभाशाली गायिका शन्नो देवी उर्फ 'साइन' ने गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपने गांव तथा क्षेत्र का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। शन्नो देवी उर्फ साइन एक साधारण एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से संबंध रखती हैं। अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के बल पर वह गीत-संगीत के क्षेत्र में पहले भी अनेक उपलब्धियां हासिल कर चुकी हैं। गांव खरकां के युवा एवं समाजसेवी सरपंच जॉनी ग्रोवर ने साइन को बधाई देते हुए कहा कि वह मधुर एवं सुरीली आवाज की धनी एक प्रतिभाशाली कलाकार हैं। उन्होंने कहा कि बुलंद हौसलों के सामने गरीबी कोई मायने नहीं रखती और दृढ़ संकल्प ही व्यक्ति को सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचाता है। शन्नो देवी उर्फ साइन वर्तमान में सेंट जॉन एम्बुलेंस इंटरनेशनल एसोसिएशन, जिला शाखा कैथल में कार्यालय सहायक के पद पर कार्यरत हैं। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राजपाल पूनिया तथा जिला सचिव डॉ. राजा सिंह झींजर ने उन्हें इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं दी।

गुहला-चीका। अंतरराष्ट्रीय डांस एवं गायन मास्टर शो-2026 में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर शन्नो देवी 'साइन' को सम्मानित करते हुए । फोटो: हरिभूमि

साइन के उज्ज्वल भविष्य की कामना

इस उपलब्धि पर गुहला के प्रसिद्ध समाजसेवी सुरेंद्र सिंगला, एंटी क्राइम एंटी करप्शन की राज्य अध्यक्ष नीलम सिंगला, राष्ट्रीय मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह धानिया, पूर्व सरपंच ओमपाल राणा, सतनाम सिंह, अमरीक सिंह, दीपचंद, डॉ. सरबजीत कौर, शोभा रानी, साहब सिंह सहित अनेक गणमान्य लोगों ने साइन को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

खबर संक्षेप

हमला कर व्यक्ति को किया घायल, चार नामजद

जींद। सफीदों तहसील में कार्यवश गए व्यक्ति पर कुछ लोगों ने हमला कर घायल कर दिया। शहर थाना सफीदों पुलिस ने घायल की शिकायत पर चार लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव बिघाना निवासी जोगेंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह कार्यवश सफीदों तहसील मे गया हुआ था। जब वह गाड़ी को पार्क कर कर रहा था तो गांव मुआना निवासी सुभाष तथा उसके परिजनों ने उस पर हमला कर दिया। जिसमें उसके कान का पर्दा फट गया और काफी चोटें आई।

पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर 11 जून को

जींद। हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य प्रमोद सहवाग ने बताया कि 11 जून को समाजसेवी रहे स्व. परमजीत सहवाग की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि स्व परमजीत ने अपनी अल्प आयु में ही उल्लेखनीय कार्य करते हुए समाज सेवा की भावना को आगे बढ़ाया। उनकी समाज सेवा की नेक सोच को आगे बढ़ाते हुए पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर आयोजित कर परमजीत को याद किया जाएगा।

अवैध हथियार सहित युवक गिरफ्तार

जींद। एवीटी स्टाफ ने अवैध हथियार सहित एक युवक को गिरफ्तार किया है। मामले की जानकारी देते हुए एवीटी स्टाफ इंचार्ज उप निरीक्षक यशवीर सिंह ने बताया कि उनकी एक टीम इलाका थाना जुलाना में गश्त एवं अपराध रोकथाम ड्यूटी पर मौजूद थी। इसी दौरान टीम को सूचना मिली कि एक युवक ब्राह्मणवास बायपास पर अवैध हथियार लेकर घूम रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई करते हुए युवक को काबू कर लिया। पुलिस पूछताछ में युवक ने अपनी पहचान गांव मनोहरपुर निवासी प्रद्युम्न के रूप में बताई।

वीआईपी नंबर दिलाने के नाम पर 1. 70 लाख ठगे

कैथल। गांव उमेदपुर में कार की आरसी और वीआईपी नंबर दिलाने के नाम पर 1. 70 लाख रुपए की ठगी कर ली। इस मामले में सीवन थाना पुलिस ने एक आरोपी के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस को दी शिकायत में गांव उमेदपुर निवासी हाल निवासी डीएवी कॉलोनी सीवन बक्शा सिंह बताया कि उसने जुलाई 2025 में एक स्कॉर्पियो कार खरीदी थी। कार खरीदने में नायरा कार प्वाइंट सीवन के संचालक विकास ने मदद की थी।

ट्रेन की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत

कैथल। गांव टीक में रविवार सुबह ट्रेन की चपेट में आने से 41 साल के व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान गांव टीक निवासी कुलविंदर सिंह के रूप में हुई है। वह सुबह के समय अपने घर से सैर के लिए निकला था। जब वह गांव के सरकारी स्कूल के पास रेलवे फाटक के पास पहुंचा तो जयपुर-चंडीगढ़ एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गया। घटना के बाद राहगीरों ने तुरंत जीआरपी पुलिस को सूचना दी।

उमस भरी गर्मी ने किया आमजन को बेहाल

मौसम का मिजाज हुआ गर्म तापमान पहुंचा 41 डिग्री

■ दिन चढ़ने के साथ ही शुरू हो रहा सूर्य देवता के आग उगलने का सिलसिला

हरिभूमि न्यूज ▶▶। जींद

उमसभरी गर्मी ने आमजन को बेहाल करके रख दिया है। रविार को दिन का आगाज तेज धूप के साथ हुआ। जिसके चलते अधिकतम तापमान 41 डिग्री व न्यूनतम तापमान 29 डिग्री रहा। मौसम में आद्रता 25 प्रतिशत व हवा की गति 16 किलोमीटर प्रति घंटा रही। मौसम विभाग के अनुसार मौसम में बदलाव की संभावना है। स्वास्थ्य विभाग ने बढ़ते तापमान को लेकर एडवाइजरी जारी की है। वहीं चिकित्सकों ने लोगों को सलाह दी है कि गर्मी को देखते हुए ज्यादा से ज्यादा पेय पदार्थों का प्रयोग करें। स्वच्छता का ध्यान रखें और शरीर को ढांप कर रखें। गर्मी में बाहर निकलने से परेहज करें।

जींद। दिन के समय सुनसान सड़क। फोटो: हरिभूमि

सड़कें तथा बाजार दोपहर में दिखाई दिए सुनसान

पिछले चार दिनों से तापमान में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही है। तापमान 41 डिग्री तक जा पहुंचा है। पिछले तीन दिनों में अधिकतम तापमान में चार डिग्री, जबकि न्यूनतम तापमान में भी तीन डिग्री की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है। जिसका जनजीवन पर साफ असर देखने को मिल रहा है। गर्मी से काम धंधे प्रभावित हो रहे हैं, दिन चढने के साथ मौसम गर्माने लगता है, दोपहर तक हालात यहां तक हो जाते हैं कि सड़कें तथा गलियां सुनसान नजर आने लगती हैं। बाजार में ग्राहक दिखाई नहीं दे रहे हैं। भीषण गर्मी के चलते एसी, पंखे तथा कूलर लोगों का सहारा बने हुए हैं।

दिन चढने के साथ ही शुरू हो रहा सूर्य देवता के आग उगलने का सिलसिला : रविवार को दिन का आगाज तेज धूप के साथ हुआ। दिन चढने के साथ-साथ तापमान में भी बढ़ोत्तरी होनी शुरु हो गई। हवा भी गर्म होने के साथ-साथ उसकी गति भी तेज हो गई। दिनभर लोग गर्म हवा के थपेड़े सहते रहे। गर्मी के चलते शीतल पेय पदार्थों की डिमांड भी बढ़ गई है। मौसम वैज्ञानिक डा. राजेश ने बताया कि फिलहाल अगले चार दिन लोगों को गर्मी और लू का सामना करना पड़ेगा। हालांकि 12 जून को मौसम में बदलाव होगा। जिससे आंधी, बूंदाबांदी होने के आसार बनेंगे।

धूप में बाहर निकलने से बचें : सीएमओ

दोपहर 12 बजे से शाम चार बजे तक अनावश्यक रूप से धूप में बाहर निकलने से बचें : सीएमओ सीएमओ डा. सुमन कोहली ने कहा कि दोपहर 12 बजे से शाम चार बजे तक अनावश्यक रूप से धूप में बाहर निकलने से बचें। यदि किसी जरूरी कार्य से बाहर जाना पड़े तो सिर को कपड़े, टोपी या छाते से ढककर रखें तथा हल्के रंग के सूती एवं ढीले कपड़े पहनें। शरीर में पानी की कमी न होने दें और दिनभर पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें, भले ही प्यास न लगे। इसके अलावा ओआरएस, नींबू पानी, छाछ, लस्सी, नारियल पानी एवं अन्य तरल पदार्थों का नियमित सेवन करें। खेतों, निर्माण स्थलों, फैक्ट्रियों तथा खुले स्थानों पर कार्य करने वाले मजदूरों और कर्मचारी समय-समय पर आराम करें। बंद वाहनों में बच्चों या पालतू जानवरों को अकेला न छोड़ें। क्योंकि वाहन के अंदर का तापमान बहुत तेजी से बढ़ सकता है, जो जानलेवा साबित हो सकता है।

कैफे में युवती से किया दुष्कर्म, पुलिस ने दर्ज किया मामला

■ कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ देकर दुष्कर्म करने का आरोप

जींद। युवती को झांसें में देकर दुष्कर्म करने तथा बार-बार परेशान करने पर महिला थाना पुलिस ने एक युवक के खिलाफ दुष्कर्म करने तथा धमकी देने का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शहर थाना इलाके एक युवती ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह हुडा मार्केट में लाइब्रेरी में पढने के लिए जाती है। जिस के नजदीक कैफे भी है। जिसमें वह चाय पीने चली जाती थी। जिसके चलते कैफे संचालक गांव शाहपुर निवासी सचिन से जान पहचाने हो गई। सचिन ने उसे अपने झांसे में ले लिया। गत 25 मई को वह कैफे में गई हुई थी। सचिन ने उसे कोल्ड ड्रिंक में उसे नशीला पदार्थ पिला दिया और उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपित ने घटना के बारे में किसी को बताने पर बुरा अजांम भुगतने की धमकी दी। जिसके बाद आरोपित ने उसे परेशान करना शुरू कर दिया। महिला थाना पुलिस ने युवती की शिकायत पर सचिन के खिलाफ दुष्कर्म करने, धमकी देने समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला थाना प्रभारी पूजा ने बताया कि पीड़िता ने युवक पर दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए शिकायत दी थी। फिलहाल मामला दर्ज कर लिया गया है।

सरकारी नौकरी का झांसा देकर 29 लाख हड़पे

चार पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज

■ नौकरियों के ज्वाइनिंग लेटर निकले फर्जी, ट्रेनिंग भी करवाई

■ फर्जीवाड़े का भंडा फूटा तो रुपये न लौटाने तथा धमकी देने का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶। जींद

एफसीआई सी ग्रुप तथा अन्य सरकारी विभागों में सरकारी नौकरी लगवाने का झांसा देकर लगभग 29 लाख रुपये हडपने का मामला सामने आया है। आरोपितों ने फर्जी ज्वायनिंग लेटर भी पीड़ितों का जारी कर दिए। उचाना थाना पुलिस ने पीड़ितों की शिकायत पर चार लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

गांव मोहनगढ़ छापड़ा निवासी रामपाल समेत नौ युवक तथा युवतियों ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी गांव उदयपुर निवासी हरपाल से काफी पुरानी जान-पहचान है। जुलाई 2024 में हरपाल उसे उचाना फोटोस्टेट की दुकान पर मिला। हालचाल जानने के बाद उसने बताया कि वह गांव खरकड़ा जिला हांसी निवासी कपिल के साथ चंडीगढ़ में था। कपिल चंडीगढ़ फाइनेंस विभाग में अच्छे पद पर है। उसकी अधिकारियों से अच्छी बनती है। काफी युवकों को एफसीआई ग्रुप सी व अन्य विभागों में सरकारी नौकरी लगवा चुका है। हरपाल ने बताया कि कोई जान पहचान बच्चे हैं तो उन्हें नौकरी लगवा देंगे। जिसके बाद उसने कपिल से बातचीत करवाई। कुछ दिनों के बाद गांव पेटवाड़ निवासी संजय, गांव आंधली निवासी सुखचैन, गांव सिसला निवासी अंकुश को एसफसीआई गुरप सी में सहायक लगवाने के उनके दस्तावेज, फोटो मोबाइल नंबर आरोपित को उसके शिवपुरी कालोनी स्थित आवास पर दिए। कुछ दिनों के बाद एफसीआई की फर्जी मेल से तथा उनके मोबाइल फोन पर मैसेज आए कि उनका चयन हो गया है। जिसके नौ अगस्त 2024 को राम मनोहर लोहिया अस्पताल दिल्ली में मेडिकल करवाने के बाद उसे आरोपितों पर विश्वास हो गया। फिर आरोपितों ने विश्वविद्यालयों में खाली पड़े ड्राइवर, क्लर्क पदों पर भर्ती बारे बताया। जिस पर उसने छह अन्य अपने जानकार युवक व युवतियों को भर्ती करवाने के लिए दस्तावेज दिए। जिनके फर्जी फार्म करवाए गए। नियुक्तियों के लिए आधी राशी चार लाख रुपये पहले मांगे गए। आरोपित ओएमआर शीट पर हस्ताक्षर करवा कर ले गया। आरोपितों ने फर्जी मेरिट लिस्ट भी दिखाई। जिसके बाद युवक तथा युवतियों को तीन माह तक ट्रेनिंग भी करवाई।

कूड़े की अलग-अलग श्रेणियों के अनुसार उठान की व्यवस्था करे एजेंसी : डॉ. अनुराधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶। जींद

नगर परिषद चेयरपर्सन डा. अनुराधा सैनी की अध्यक्षता में वार्ड 20 के लवकुश पार्क से कचरा प्रबंधन अभियान को हरी झंडी दिखा कर शुरुवात की। उन्होंने शहर को साफ एवं स्वच्छ रखने में सभी की भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। इसके साथ ही उन्होंने एजेंसी को सभी प्रकार के कचरे का उठान अलग.अलग उठान करवाने के भी निर्देश दिए। वार्ड 20 के नगर पार्षद महाबीर रेढू की मौजूदगी में लवकुश पार्क से इस अभियान को शुरू किया गया। इस दौरान लवकुश पार्क को गोद लेने वाली संस्था के सभी सदस्य उपस्थित रहे। इस दौरान डा. अनुराधा सैनी ने बताया कि कचरा प्रबंधन को लेकर प्रशिक्षण दिया। उन्होंने कहा कि शहर को स्वच्छ बनाने के लिए कचरे का प्रबंधन होना अनिवार्य है। कचरे को अब चार श्रेणियों में विभाजित किया गया है। सभी श्रेणियों के कचरे को अलग-अलग ही उठाया जाना है। इस कार्य में पार्षदों को अपने-अपने वार्ड के लोगों को जागरूक करना है। इसके अतिरिक्त कचरा उठान करने वाले वाहनों की डिजिटल मॉनिटरिंग भी की जाएगी ताकि कचरे का उठान व्यवस्थित ढंग से किया जा सके। घर-घर से कचरा उठान का कार्य जल्द ही शुरू करवाया।

जींद। स्वच्छता अभियान की हरी झंडी दिखा कर शुरुआत करते हुए नप अध्यक्षा डा. अनुराधा सैनी। फोटो: हरिभूमि

ये रहे उपस्थित

इस मौके पर सचिव सुमित दहिया, नगर पार्षद महावीर रेढू, सतपाल कुंडू, बलबीर मालिक, रविंद कुमार, यशपाल राणा, ईश्वर दत्त कौशिक, जगदीश, आजाद शर्मा, कृष्ण शर्मा, राजेश शर्मा एवं अनेक सफाई कर्मचारी उपस्थित रहे।

एमडीएन ग्लोबल स्कूल में हुआ सीबीएसई क्षमता निर्माण कार्यक्रम

■ शिवानी चोपड़ा एवं कुमारी किरण ने पर्यावरण की अवधारणा को व्यवहारिक उदाहरणों से समझाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶। कैथल

एमडीएन ग्लोबल स्कूल कैथल में "पर्यावरण अध्ययन एवं राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचा 2023" विषय पर दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों से आए शिक्षकों एवं शिक्षाविदों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर आधुनिक शिक्षण पद्धतियों की गहन जानकारी प्राप्त की। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों को पारंपरिक शिक्षण से आगे बढ़कर विद्यार्थियों को सक्रिय सहभागिता आधारित शिक्षा प्रदान करने हेतु प्रेरित करने वाला सिद्ध हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक डॉ. विनोद कुमार, चेयरपर्सन निधि कंसल, प्रबंधक गौरव गर्ग, प्रधानाचार्य डा. सन्त कौशिक, रिसोर्स पर्सन कुमारी किरण, नेहा जुनेजा, पूजा शर्मा तथा षिवानी चोपड़ा उपस्थित रहे। विद्यालय प्रबंधन द्वारा रिसोर्स पर्सन्स का तिलक, बैज एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर भव्य स्वागत किया गया।

प्रशिक्षण के प्रथम सत्र का संचालन षिवानी चोपड़ा एवं कुमारी किरण द्वारा किया गया। उन्होंने "पर्यावरण क्या है" एवं पर्यावरण की अवधारणा को अत्यंत प्रभावशाली एवं व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट किया। उन्होंने बताया कि वास्तविक अधिगम तभी संभव है जब विद्यार्थी केवल सुनने तक सीमित न रहकर स्वयं गतिविधियों, चर्चाओं, विश्लेषण और अनुभवों के माध्यम से सीखें। द्वितीय सत्र में नेहा जुनेजा एवं पूजा शर्मा ने राष्ट्रीय पाठ्यक्रम ढांचे के सक्रिय अधिगम को कक्षा शिक्षण में प्रभावी रूप से लागू करने के विविध आयामों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। डॉ. विनोद कुमार द्वारा रिसोर्स पर्सन्स को स्मृति चिन्ह एवं सम्मान स्वरूप भेंट प्रदान कर सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार एवं सक्रिय अधिगम ही भविष्य की आवश्यकता है तथा शिक्षक समाज निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं।

कैथल। कार्यशाला के दौरान शिक्षक और मास्टर ट्रेनर। फोटो: हरिभूमि

तीन किसानों के ट्रांसफार्मर से लाखों का सामान चुराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶। कलायत

कलायत के गांव खरक पांडवा में चोर गिरोह की घिनौती करतूत सामने आई है। बिजली निगम की चौकसी और पुलिस सुरक्षा दावों को खुली चुनौती देते हुए चोर गांव खरक पांडवा के खेतों से सिरसा ब्रांच नहर के पास से तीन अलग-अलग खेतों में लगे बिजली ट्रांसफार्मरों का कीमती सामन चुरा ले गए। शातिर चोरों ने दुस्साहस दिखाते हुए भारी-भरकम ट्रांसफार्मरों को खंभों से नीचे गिरा दिया। उपरांत कीमती तांबे (कॉपर) के तार व अन्य सामान निकालकर फरार हो गए। सुबह जब किसान खेतों में पहुंचे तो ट्रांसफार्मर कबाड़ की हालत में जमीन पर पड़े मिले। जबकि नलकूप बिजली न मिलने से बंद मिला। तुरंत घटना की सूचना कलायत थाना को दी गई।

शिकायत अनुरूप होगी कार्रवाई

कलायत थाना प्रभारी अमन कुमार ने बताया कि चोरी की सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर गहनता से जांच शुरू कर दी है। बिजली निगम के अधिकारियों की तरफ से अभी लिखित शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। विभागीय शिकायत मिलते ही संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया जाएगा।

रात को 11 बजे बिजली घर का किया घेराव

सीवन में बिजली संकट पर फूटा लोगों का गुस्सा

हरिभूमि न्यूज ▶▶। कैथल

कैथल के सीवन नगर में पिछले कई दिनों से जारी बिजली संकट के विरोध में सोमवार रात लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। अघोषित बिजली कटों और रात के समय लगातार लो वोल्टेज की समस्या से परेशान नगरवासियों ने शनिवार रात करीब 11 बजे बिजली घर पहुंचकर घेराव कर दिया और धरने पर बैठ गए।

लोगों का आरोप है कि पिछले तीन दिनों से नगर में बार-बार बिजली कट लग रहे हैं। इसके अलावा रात के समय वोल्टेज इतना कम हो जाता है कि कूलर, एसी, पानी की मोटर और अन्य विद्युत उपकरण सही ढंग से नहीं चल पा रहे हैं। कई उपभोक्ताओं ने लो वोल्टेज के कारण घरेलू उपकरणों के खराब होने की आशंका भी जताई।

प्रदर्शन कर रहे अमित, सुमित, रामफल, और सुरेश ने कहा कि भीषण गर्मी के बीच बिजली व्यवस्था चरमरा गई है, जिससे आमजन को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रात के समय बिजली कट और कम वोल्टेज के कारण बुजुर्गों, बच्चों और मरीजों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। सीवन क्षेत्र में लोड क्षमता से अधिक बिजली खपत होने के चलते कई फीडरों पर दबाव बढ़ गया है। इसके अलावा कुछ स्थानों पर तकनीकी खामियों और ओवरलोड ट्रांसफार्मरों के कारण भी लो वोल्टेज तथा बिजली आपूर्ति बाधित होने की समस्या सामने आ रही है।

कैथल। रात के समय बिजली घर का घेराव करते ग्रामीण।

जाट धर्मशाला में रसोई निर्माण के लिए समाज के लोग आए आगे, दी 4.25 लाख की राशि

कैथल। कैथल की जाट धर्मशाला में समस्त चहल पट्टी , समस्त जाट समाज गांव गुहणा , गांव हरिपुरा , गांव दिलोंवाली ने रसोई निर्माण के लिए 4 लाख 25 हजार की राशि भेंट की। इसे लेकर संस्था के प्रधान रोशन पाड़ला व अन्य पदाधिकारियों ने सभा दानदाताओं का आभार जताते हुए कहा कि धर्मशाला के लिए रसोई की मांग लंबे समय से चली आ रही थी। अब उक्त राशि से आधुनिक सुविधाओं से सुस्सजित रसोई बनाई जाएगी ताकि समाज के किसी भी प्रकार के कार्यक्रम के लिए किसी भी प्रकार की परेशानी न उठानी पडे। इस अवसर पर सुरजीत बैनीवाल, सत्यदेव छौत, राजपाल ग्योंग, प्रताप सिंह गुहणा, दरबारा नैन, बालकू राम चेयरमैन, इन्द्र सिंह मुच्छल, रामनिवास चहल आदि उपस्थित थे। दानियों ने कहा कि वे भविष्य में भी धर्मशाला की हर प्रकार की सहायता करने के लिए तैयार हैं।

बायो गैस प्लांट को बंद करवाने के लिए हरियाणा कांग्रेस सहप्रभारी को सौंपा ज्ञापन

जींद। गोहाना रोड से सटे रिहायशी क्षेत्र में बने बायो गैस प्लांट को बंद कराने के लिए संघर्ष कर रहे कई कॉलोनियों और कई गांव के लोगों के एक प्रतिनिधिमंडल ने हरियाणा कांग्रेस के सहप्रभारी जितेंद्र बघेल को ज्ञापन पत्र सौंपा है। मास्टर सेवा राम के नेतृत्व में मिले इस प्रतिनिधिमंडल में शामिल बिजेंद्र दहिया, शिलकराम पिंडारा, संजय कालवां, सतबीर सिंह, हरियाल सिंह आदि लोगों ने कांग्रेस के सीनियर नेता को ज्ञापन सौंपकर मामले में आवाज बुलंद करने की मांग की है। कांग्रेस के हरियाणा सहप्रभारी जितेंद्र बघेल ने इस दौरान प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया की पार्टी का प्रत्येक नेता और कार्यकर्ता जनता के हितो की सुरक्षा के लिए सदैव मैदान में खड़ा मिलेगा। बघेल ने कहा कि भाजपा सरकार ने अपने चंद उद्योगपति मित्रों को खुश करने के लिए लोगों की परेशानी बढ़ा दी है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हुडा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

रुपयों के विवाद में सिर में मारा कसौला, चार नामजद

■ रास्ते में रोक कर हमला करने का आरोप, जांच जारी

जींद। गांव हथो रुपयों के लेनेदेन विवाद में एक व्यक्ति पर कुछ लोगों ने सिर पर तेजधार हथियार से वार कर दिया। सदर थाना नरवाना पुलिस ने घायल के भाई की शिकायत पर चार लोगों के खिलाफ जानलेवा हमला करने समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज किया है। गांव हथो निवासी शमशेर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका गांव के कर्मपाल से रुपयों को लेनदेन था। उसी के चलते उसके भाई बलबीर का लड़का शिव कुमार रुपये मांगने कर्मपाल के घर गया था। कर्मपाल ने रुपये देने से मना कर दिया। जिसको लेकर आपस मे उनकी कहासुनी हो गई। उस समय तो उसका भतीजा वापस घर लौट आया। शाम को जब उसका भाई बलबीर घर लौट रहा था तो आरोपित कर्मपाल परिवार ने उसके भाई बलबीर के सिर पर कसौले से वार दिया और लाठी तथा डंडों से पीटा। जिसमें उसका भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। सदर थाना नरवाना पुलिस ने शमशेर की शिकायत पर कर्मपाल, बलजीत, राहुल, प्रवीण के खिलाफ जानलेवा हमला करने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सरस्वती नदी को विकसित करने के लिए कुएं व घाट का निर्माण करवाया जाएगा : धुम्मन सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶। कलायत

■ प्राचीन कपिल तीर्थ में करीब 20 वर्ष से सरस्वती जल धारा के फूटने का सिलसिला जारी है

देश की आजादी से पहले से लेकर अब तक सूखे व बाढ़ के चक्रव्यूह में फंसे कलायत क्षेत्र में आस जगी है। प्राचीन कपिल मुनि सरोवर में सरस्वती नदी को विकसित करने के लिए कुएं व घाट का निर्माण करते हुए जल संरक्षण योजना को क्रियान्वित किया जाएगा। सरस्वती धरोहर विकास बोर्ड वाइस चेयरमैन धुम्मन सिंह किरमच ने इस महत्वपूर्ण योजना के स्वरूप से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्राचीन कपिल तीर्थ में करीब 20 वर्ष से सरस्वती जल धारा के फूटने का सिलसिला जारी है। इसको लेकर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के मार्ग दर्शन में विकास योजना तैयार की गई है। इसे जल्द धरातल पर उतारा जाएगा। इस प्रकार के तीर्थों को विकसित करते हुए हरियाणा प्रदेश को डार्क जोन से बाहर लाया जाएगा। एक योजना प्रदेश में जल के सही प्रबंधन का बड़ा आधार बनेगी। इसके माध्यम से जल को बचाकर सूखी धरती को रिचार्ज करते हुए डार्क जोन का बड़ा संकट खत्म किया जाएगा। इससे आमजन व किसानों के सामने से हमेशा-हमेशा के लिए पीने- खेती के सिंचाई पानी का संकट समाप्त होग । किरमच ने बताया कि वर्ष 2009 से जल संचय अभियान को लेकर नीर संस्था की स्थापना की गई। तब से लगातार यह संस्थान सरस्वती बोर्ड के साथ मिलकर कार्य कर रही है। अलग-अलग स्तरों पर किए गए गहन अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ है कि हरी की भूमि की गोद में जल तो है लेकिन जरूरत जल प्रबंधन की है। बरसात का पानी है उस पानी को सहेजने में सक्षम नहीं हैं। इस वजह से करोड़ों लीटर पानी बाढ़ के रूप में तबाही का ताड़व मचाता आ रहा है। इस संकट से बचाव का तरीका एक-एक बूंद को धरती में रिचार्ज करना है। सरस्वती बोर्ड से जुड़े अनगिनत वॉलंटियर्स, सरस्वती बोर्ड, सीएम नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री एवं पूर्व मुख्यमंत्री मनोहरलाल के प्रयास से सरोवर सरस्वती नदी के किनारे रिचार्ज के सरोवर बनाए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने 5 करोड़ का बजट पास किया

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा इसके लिए 5 करोड़ का बजट पास किया गया है। इसके माध्यम से पिहोवा तीर्थ का स्वच्छ जल स्योंसर जंगल में पशु-पक्षियों के लिए लाया जाएगा। सरस्वती की शाखा सतोडा में भी पानी का प्रवाह किया जाएगा। जिससे जंगल में रिचाजिंग व पशु-पक्षियों के लिए बड़े-बड़े रिजर्वायर बनाए जा रहे हैं। इस स्थान पर टूरिजम एक्टीविटी व सेमी सफारी शुरू करने का काम भी जारी है। वाइल्ड लाइफ सेंचुरी सरस्वती जंगल सरोवर सियोसर में भी 70 एकड़ में एक रिजर्वायर बनाया जा रहा है। इसका शुभारंभ मुख्यमंत्री किया है। ताकि इस क्षेत्र के पशु पक्षियों को जल मिल सके और डार्क जोन ड्रोन खत्म हो।